दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

पांच महीने बाद चुपके से अरिजीत ने किया कमबैक

पहली बार पूर्वोत्तर की सुंदरी को खिताब

वर्ष : 12 | अंक : 208 | लखनऊ, 22 जुलाई, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

योगी सरकार खरीदेगी 250 इलेक्ट्रिक बसें

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के बस बेड़े को बढ़ाने के लिए नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। इस पर कुल 425.50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस निर्णय के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 400 करोड़ रुपये के प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त 25.50 करोड़ रुपये का खर्च यूपीएसआरटीसी वहन करेगा। इसी के साथ 250 नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद का रास्ता साफ हो गया है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कैबिनेट फैसले के मुताबिक रोडवेज बेड़े में 100 इलेक्ट्रिक बसें (12 मीटर, 50 सीटर) व 150 इलेक्ट्रिक बसें (12 मीटर, 41 सीटर) शामिल की जाएंगी। इन बसों के संचालन से प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और

यात्री सुविधाओं के अनुरूप बनाया जाएगा। नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद पर कुल 425.50 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है। इसमें 400 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि शेष 25.50 करोड़ रुपये की व्यवस्था उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने संसाधनों से करेगा। योगी सरकार ने बसों की खरीद में उत्तर प्रदेश के मैन्युफैक्चरर्स को प्राथमिकता देने का भी निर्णय लिया है, जिससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। 1 नवंबर 2026 से सीएक्यूएम के निर्देशों के मुताबिक दिल्ली में केवल सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-6 श्रेणी के वाहनों को प्रवेश की अनुमति होगी। ऐसे में नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद से उत्तर प्रदेश रोडवेज इन मानकों का समयबद्ध अनुपालन

योगी कैबिनेट की मंजूरी

करेगा और एनसीआर क्षेत्र में बस संचालन निर्बाध रहेगा। योगी सरकार का ये फैसला राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लागू होने वाले पर्यावरणीय मानकों को देखते हुए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। योगी सरकार इन इलेक्ट्रिक बसों के जरिए प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, पर्यटन व शहरी क्षेत्रों में यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराएगी। इससे डीजल आधारित बसों पर निर्भरता कम होगी, वायु प्रदूषण में कमी आएगी व पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

यूपी आउटसोर्स सेवा निगम को मिलेगा 20 करोड़ का ब्याजमुक्त ऋण

सार्वजनिक सेवाओं को मिलेगा नया आधार, आउटसोर्स व्यवस्था होगी और मजबूत

अमन लेखनी समाचार

- 5 वर्षों तक निगम पर ऋण अदायगी का नहीं रहेगा दायित्व, उसके बाद 2 करोड़ प्रतिवर्ष करना होगा भुगतान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के संचालन को गति देने के लिए बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्यय में प्रावधानित 20 करोड़ रुपये की धनराशि निगम को ब्याज मुक्त ऋण के रूप में उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से नवगठित निगम के संचालन को मजबूती मिलेगी व प्रदेश में आउटसोर्स सेवाओं के प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का गठन कंपनी अधिनियम-2013 की धारा-8 के अंतर्गत एक गैर-लाभकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में किया गया है। निगम का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि सार्वजनिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में निगम अपने संचालन के शुरूआती चरण में है। ऐसे में इसके प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने, आउटसोर्सिंग एजेंसियों से लिए जाने वाले सेन्टेज चार्ज सहित अन्य व्यवस्थाओं को विकसित करने, कार्य संचालन को सुचारु रूप से शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी। इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने 20 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि निगम प्रारंभिक वर्षों में अपनी आय के माध्यम से ऋण चुकाने की स्थिति में नहीं होगा। प्रारंभिक आंकलन के आधार पर पहले पांच वर्षों तक निगम पर ऋण अदायगी का दायित्व नहीं रहेगा। इसके बाद निगम अपनी आय से 2 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष की दर से अगले दस वर्षों में इस ऋण का भुगतान करेगा।

वाराणसी में बनेगा 500 बेड का महिला छात्रावास

- 6,000 वर्गमीटर सरकारी भूमि महिला कल्याण विभाग को होगी निशुल्क हस्तांतरित
- 'नो प्रॉफिट-नो लॉस' मॉडल पर संचालित होगी मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास योजना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास योजना के तहत वाराणसी में 500 क्षमता वाले उच्च गुणवत्तापूर्ण महिला छात्रावास के निर्माण के लिए 6,000 वर्गमीटर सरकारी भूमि महिला कल्याण विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

यह भूमि हरिजन इंडस्ट्रियल गवर्नमेंट, उत्तर प्रदेश सरकार के नाम दर्ज है जिसे अब महिला कल्याण विभाग के पक्ष में स्थानांतरित किया जाएगा। इस छात्रावास का निर्माण शत-प्रतिशत राज्य सरकार के वित्त पोषण से किया जाएगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि वाराणसी में 6000 वर्ग मीटर भूमि पर 500 क्षमता का एक छात्रावास बनाने के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद ने मंजूरी दी है। बजट में 7 छात्रावास बनाने का प्रावधान था, जिसमें से झांसी, आगरा, मेरठ और गोरखपुर के लिए पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। आज वाराणसी के लिए भी प्रस्ताव आज पास किया गया है। प्रदेश में निजी, सरकारी और औद्योगिक क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही महिला कार्यबल की जरूरतों को देखते हुए महिला कल्याण विभाग कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और किफायती छात्रावासों का निर्माण करा रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सस्ती दरों पर सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। राज्य सरकार के अधीन कार्यरत महिला कल्याण विभाग इस योजना का संचालन 'नॉन-कॉमर्शियल, नो प्रॉफिट-नो लॉस' सिद्धांत पर करेगा। इसी सामाजिक उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वाराणसी में छात्रावास निर्माण के लिए सरकारी भूमि महिला कल्याण विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जा रही है।

248.30 लाख से तैयार होगा 112 छात्राओं की क्षमता वाला छात्रावास... उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक में छात्राओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने वाराणसी स्थित वसंत महिला महाविद्यालय, राजघाट फोर्ट में छात्राओं के लिए 112 सीटों वाले नए छात्रावास भवन के निर्माण को मंजूरी दे दी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह केंद्रीय विश्वविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय का एक संघटक महाविद्यालय है। यह पिछले 112 वर्षों से अध्ययन के क्षेत्र में सेवा कर रहा है और ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ चल रहा है। अब तक एक छात्रावास था। जिसमें 220 छात्राओं के लिए सुविधा थी। उन्होंने बताया कि एक 248.30 लाख रुपये की लागत से त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत एक महिला छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा। यह छात्रावास 112 छात्राओं के लिए होगा।

खबर संक्षेप

मालगाड़ी पटरी से उतरी 85 ट्रेनें प्रभावित हुईं

नई दिल्ली। दिल्ली डिवीजन के गाजियाबाद-नई दिल्ली रेल मार्ग पर मंगलवार 21 जुलाई 2026 को एक

मालगाड़ी के 6 भरे हुए डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके बाद रेलवे ने 85 से ज्यादा ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। यह रेल मार्ग दिल्ली-हावड़ा रूट का हिस्सा है। उत्तरी रेलवे के अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि रेलवे के बड़े अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है।

घर में लगी आग, मां और दो बेटियों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के लोधी कॉलोनी के बीके दत्त कॉलोनी की एक इमारत की सबसे ऊपरी

मंजिल पर लगी भीषण आग में एक ही परिवार की 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 45 साल की महिला और उनकी दो बेटियां शामिल हैं। बेटियों की उम्र करीब 7 और 13 साल बताई जा रही है। सुबह करीब 10:21 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर एक महिला का घबराया हुआ फोन आया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जारी किया नोटिस

पर्यावरण राहत कोष के 1,000 करोड़ सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को देने पर मांगा जवाब

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

याचिकाकर्ता के प्रयासों की तारीफ करते हुए पीठ ने कहा कि वर्ष 2019 में दायर इस जनहित याचिका में पर्यावरण राहत कोष के कथित गैर-उपयोग का मुद्दा उठाया गया है। पीठ ने कहा कि वर्ष 2020 तक इस कोष में कुल 881 करोड़ रुपए इकट्ठा किए गए थे, जो बाद में बढ़कर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गए

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से जवाब मांगा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पर्यावरण राहत कोष में जमा

1,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अब तक उपयोग नहीं किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ के समक्ष जबलपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञान प्रकाश की ओर से कहा गया कि वर्षों से निष्क्रिय पड़े इस राहत कोष का इस्तेमाल सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की सहायता के लिए किया जाना चाहिए था।

याचिकाकर्ता के प्रयासों की तारीफ करते हुए पीठ ने कहा कि वर्ष 2019 में दायर इस जनहित याचिका में पर्यावरण राहत कोष के कथित गैर-उपयोग का मुद्दा उठाया गया है। पीठ ने कहा कि वर्ष 2020 तक इस कोष में कुल 881 करोड़ रुपए इकट्ठा किए गए थे, जो बाद में बढ़कर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गए।

2008 में बनी थी योजना अब इसमें करोड़ों रुपए

2008 से किसी को नहीं दी राशि

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि पर्यावरण राहत कोष योजना वर्ष 2008 में बनाई गई थी, लेकिन इसके तहत अब तक किसी भी लाभार्थी को कोई राशि वितरित नहीं की गई है। जब अदालत को बताया गया कि इस कोष का प्रबंधन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कर रहा है, तब पीठ ने केंद्र सरकार और बोर्ड के सदस्य सचिव को नोटिस जारी कर कोष के उपयोग या गैर-उपयोग के संबंध में विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने केंद्र सरकार और सीपीसीबी से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि इस कोष के उपयोग के लिए कोई व्यवस्था या योजना मौजूद है या नहीं, और अगर है तो अब तक राशि का वितरण क्यों नहीं किया गया?

दौसा विस्फोट मामले में मौत की सजा रद्द

करीब तीन दशक पहले राजस्थान के दौसा जिले में हुए भीषण बस विस्फोट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा पाए दोषी अब्दुल हमीद की सजा रद्द करते हुए उसके खिलाफ नए सिरे से मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। साथ ही उम्रकैद की सजा पाए पप्पू उर्फ सलीम को बरी कर दिया है। इसके अलावा राजस्थान हाई कोर्ट की ओर से छह आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील भी खारिज कर दी गई। इस फैसले के साथ लगभग 30 साल पुराने इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया एक बार फिर नए चरण में पहुंच गई है।

एल्गार परिषद केसः तीसरे जज ने सुनवाई से खुद को किया अलग

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस चंद्रशेखर ने 2018 के एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में आरोपी वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। गाडलिंग की याचिका जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस चंद्रशेखर की पीठ के सामने सूचीबद्ध थी। जस्टिस मिश्रा ने कहा, यह किसी दूसरी पीठ के पास जाएगा, मेरे साथी जज को कुछ परेशानी है।

केरल वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता जरूरी

सर्वोच्च अदालत ने केरल हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का वह हिस्सा हटा दिया, जिसमें केरल वक्फ बोर्ड को राज्य सरकार के संयुक्त सचिव की निगरानी में काम करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा कि बोर्ड की स्वायत्तता बनाए रखना जरूरी है, संयुक्त सचिव, उसी हैसियत से अपना कार्य जारी रखेंगे।

'हेट स्पीच' मामले में मोइत्रा को राहत

हाईकोर्ट ने पुलिस कार्रवाई पर लगाई रोक, जांच जारी रहेगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा को कथित 'हेट स्पीच' मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट

से अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ 5 अक्तूबर तक किसी भी तरह की सख्त पुलिस कार्रवाई पर रोक लगा दी है। हालांकि अदालत ने साफ किया कि यह राहत तभी तक लागू रहेगी, जब तक महुआ मोइत्रा जांच में पूरा सहयोग करें और अदालत की ओर से तय सभी शर्तों का पालन करें। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी या अन्य सख्त कार्रवाई पर रोक लग गई है, लेकिन जांच जारी रहेगी।

मोनालिसा को फिर मिली पुलिस सुरक्षा

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार को प्रयागराज कुंभ मेले में एक वीडियो वायरल होने के बाद सुर्खियों में आईं मोनालिसा को फिर से पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया। युवती ने दावा किया था कि कई समूह उसका पीछा कर रहे हैं और उसके ठिकाने के बारे में जानकारी फैला रहे हैं। पुलिस द्वारा यह सूचित किए जाने के बाद कि उसका पता नहीं लगाया जा सका है, उच्च न्यायालय ने 10 जुलाई को उसे पुलिस सुरक्षा प्रदान करने वाले अपने पूर्व आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया था कि जब भी लड़की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए उनके पास आए तो पुलिस उसकी सुरक्षा करे। इसके बाद उसने पलारिवट्टम पुलिस स्टेशन में एक आवेदन दायर किया, जिसमें उसने दावा किया कि उसकी जान को खतरा है।

दक्षिण कोरिया में वर्ल्ड ताइक्वांडो कल्चर एक्सपो में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस का ऐतिहासिक प्रदर्शन

मुंबईः दक्षिण कोरिया के ताइक्वांडोवन में 17 से 20 जुलाई तक आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड ताइक्वांडो कल्चर एक्सपो 2026 अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुंबई के जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का तिरंगा गर्व से लहराया। दुनिया भर से लगभग 2,500 से 3,000 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

दूसरे दिन भी जमकर हंगामा

कोई अहम कामकाज नहीं हुआ, दोनों सदनों में कार्यवाही हुई स्थगित

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

- हंगामे के चलते लोकसभा में प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो सके

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी दलों के सांसदों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल चलाने में सहयोग करें। प्रश्नकाल के बाद उचित नियम प्रकियाओं के तहत सभी मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर दिया जाएगा

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक मामले और इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित लाठीचार्ज किए जाने के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार को एक बार के स्थगन के बाद दूसरी बार दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। हंगामे के कारण राज्यसभा और लोकसभा में कार्यवाही बाधित हुई और प्रश्नकाल एवं शून्यकाल नहीं हो सके। इसके बाद विपक्ष के भारी हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

छात्रों से माफी मांगें पीएमः राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छात्रों के विरोध मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई पर पीएम की चुप्पी पर सवाल उठाया। राहुल गांधी ने

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की और सदन में छात्रों पर हुई 'बर्बरता' पर चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि कल जो हुआ, मोदी जी ने उसके लिए अब तक माफी तक नहीं मांगी है। युवा शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को दीमक की तरह खोखला कर दिया गया है।

अखिलेश यादव के नेतृत्व में संसद के बाहर प्रदर्शन करते समाजवादी पार्टी के सांसद

दिल्ली पुलिस ने दर्ज की 4 एफआईआर

कॉकरोच जनता पार्टी और किसान संगठनों द्वारा 20 जुलाई को आयोजित #संसद चलो# मार्च के दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ और अन्य घटनाओं के संबंध में दिल्ली पुलिस ने अब तक चार प्राथमिकी दर्ज की हैं तथा वह दो अन्य मामले दर्ज करने की प्रक्रिया में है। ये मामले संसद मार्ग, कनॉट प्लेस और अन्य थानों में दर्ज किए गए हैं, जिनमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), शस्त्र कानून और सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के कई प्रावधानों को शामिल किया गया है। पुलिस ने बताया कि मारपीट, कानून अपने हाथ में लेने और अन्य संबंधित अपराधों के संबंध में दो और प्राथमिकी तैयार की जा रही हैं।

पुलिस बल प्रयोग सही नहीं

सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि नीट पेपर लीक को लेकर सोमवार को राजधानी में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया और यह सही नहीं है।

प्रश्नकाल चलाने में सहयोग करें

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी दलों के सांसदों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल चलाने में सहयोग करें।

घायल प्रदर्शनकारियों का हाल जाना

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राम मनोहर लोहिया और लेडी हार्डिंग अस्पतालों का दौरा किया तथा प्रदर्शनकारियों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। नड्डा ने छात्रों को दी जा रही चिकित्सीय सुविधाओं की भी समीक्षा की।

रास्ता भटककर लखनऊ पहुंची झारखंड की युवती को सकुशल पुलिस ने परिजनों से मिलाया

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाने की मिशन शक्ति टीम ने रास्ता भटककर लखनऊ पहुंची झारखंड की एक युवती को सकुशल उसके परिजनों से मिलवा दिया। पुलिस के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने सराहना की। सरोजनी नगर थाने की महिला उप निरीक्षक सुष्मिता सिंह के मुताबिक 18 जुलाई 2026 को राहगीरों ने उन्हें सूचना दी कि हज हाउस के पास एक युवती काफी देर से इधर-उधर घूम रही है। यह सूचना मिलते ही वह मिशन शक्ति टीम की महिला कांस्टेबल सविता के साथ मौके पर पहुंचीं और युवती से पूछताछ किया। जहाँ पूछताछ में युवती ने अपना नाम झारखंड के कोल्हा पाटी डीपा टोली, थाना सेन्हा निवासी पूनम पुत्री राजेश लोहरा बताया। उसने बताया कि वह बिहार के बरौनी में काम करती थी और वहां से अपने घर लौट रही थी, लेकिन रास्ता भटककर लखनऊ पहुंच गई। यह जानकारी होने के बाद मिशन शक्ति टीम ने युवती की काउंसिलिंग कर उसे भरोसा दिलाते हुए उसके परिजनों से संपर्क किया। इस दौरान परिजनों के आने तक उसे सुरक्षा के मद्देनजर वन स्टॉप सेंटर में सुरक्षित ठहराया गया। इसके बाद पुलिस ने लगातार उसके परिवार के संपर्क में रहकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराईं। उप निरीक्षक सुष्मिता सिंह ने बताया कि मंगलवार 21 जुलाई को युवती के पिता झारखंड स्थित अपने घर से सरोजनी नगर थाने पहुंचे। तब पहचान और आवश्यक सत्यापन के बाद पुलिस ने पूनम को सकुशल उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। वहीं मिशन शक्ति टीम की इस संवेदनशील कार्यवाही की लोगों ने प्रशंसा करते हुए इसे महिला सुरक्षा और मानवीय पुलिसिंग का सराहनीय उदाहरण बताया।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं सपा सांसद आनंद भदौरिया सहित अन्य लोगों को प्रधानमंत्री आवास से गिरफ्तार करके ले जाती पुलिस

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित सभी सांसद एवं कार्यकर्ता रिहा

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली। नई दिल्ली में नीट छात्रों एवं युवाओं पर हुए लाठी चार्ज एवं उनकी मांगों को लेकर धरना दे रहे सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद आनन्द भदौरिया समेत सांसदों एवं कार्यकताओं को गिरफ्तार कर दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम ले जाया गया था, जिसके बाद सभी को रिहा कर दिया गया। सपा नेताओं ने 'मोदी तेरी तनाशाही नहीं चलेगी, नहीं चलेगी ' जैसे नारे लगाते हुए कहाकि आज लोकतन्त्र खतरे में है मोदी सरकार तानाशाह हो गई है, रोजना पेपर लीक हो रहा है, सरकार के कान में जूँ नहीं रेंग रहा है, कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है, छात्रों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, ऐसे में इस सरकार को उखाड़ फेंकना है, लोकतन्त्र में तानाशाही की कोई जगह नहीं है।

पिछड़ा वर्ग के उत्थान और पत्रकार कल्याण पर हुई चर्चा, आयोग उपाध्यक्ष से मिले विकास सैनी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। जन सहायता एवं पत्रकार कल्याण फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सैनी ने मंगलवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में आयोग के उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान पिछड़ा वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान, जनसमस्याओं के प्रभावी समाधान तथा पत्रकारों के कल्याण और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विकास सैनी ने फाउंडेशन की ओर से समाज सेवा एवं पत्रकार हित में संचालित विभिन्न कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि संगठन जरूरतमंद लोगों की सहायता, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने तथा पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लोगों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से पहुंचे और उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आयोग पिछड़ा वर्ग के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और उनके सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता और गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें सामाजिक सरोकारों, जनहित और पत्रकारों के कल्याण को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ।

बेखौफ चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर गहने और नकदी किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों बेखौफ चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए कीमत के गहने और हजारों रुपए की नकदी पार कर दी। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर थाना क्षेत्र के ओमैक्स सिटी निवासी अनिल कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक बीती 11 जुलाई को वह घर में ताला बंद कर अपने बेटे से मिलने नोएडा गए थे। बाद में 20 जुलाई को अपराहन करीब 3:30 बजे घर लौटे तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अनिल का कहना है कि अंदर जाकर देखा तो दोनों बेडरूम की चारों अलमारियों के ताले टूटे होने के साथ सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित अनिल का कहना है कि जांच करने पर अलमारियों में रखें लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने और करीब 50 हजार रुपये गायब मिले। यह देख पीड़ित के होश उड़ गए और उसने आनन-फानन इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पीड़ित अनिल की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

ज्वैर्ल्स दुकान के बाहर खड़ी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों ज्वैर्ल्स दुकान के बाहर खड़ी एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी हो गयी। काफी खोजबीन के बाद पीड़ित ने सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के जनकपुरी कॉलोनी, हैडिल पावर हाउस के पास रहने वाले हंसराम के मुताबिक 13 जुलाई की रात करीब 9:15 बजे उनकी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (यूपी 32 जीवी 2410) सरोजनी नगर में हाइडिल स्थित स्वाती ज्वैलर्स की दुकान के सामने खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात चोर बाइक लेकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही उसने हैडिल चौकी पुलिस को सूचना दी। पीड़ित के मुताबिक पुलिस ने शुरूआती स्तर पर आसपास तलाश की, लेकिन दो दिन की पड़ताल के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के सहारे बाइक चुराने वाले का सुराग लगा रही है।

करंट लगने से चाय दुकान के कर्मचारी की मौत, मसाला लेने गया था युवक

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के तेलीबाग स्थित शनि मंदिर के पास सोमवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, हरदोई जिले के बेनीगंज थाना क्षेत्र के रौतापुर निवासी सुशील की तेलीबाग स्थित शनि मंदिर के पास चाय की दुकान है। दुकान पर काम करने वाला दिलीप कुमार (19), पुत्र बरसाती लाल, निवासी लालूही, जनपद बहराइच, दुकान से कुछ दूरी पर स्थित एक पान की गुमटी पर मसाला लेने गया था। इसी दौरान गुमटी के पास लगे बिजली के पोल में उतर रहे करंट की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। दुकान मालिक तत्काल उसे इलाज के लिए पीजीआई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

शिकायत करने वाली महिला डॉक्टर व एएनएम का तबादला सीएचसी विवाद पर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज में अधीक्षक और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच शुरू हुआ विवाद अब और गहरा गया अधीक्षक के खिलाफ शिकायत करने वाली महिला डॉक्टर और एक एएनएम के तबादले के बाद स्वास्थ्यकर्मियों, कर्मचारी संगठनों और ग्रामीणों में नाराजगी लोग सवाल उठा रहे कि जांच पूरी होने से पहले शिकायतकताओं का ही स्थानांतरण क्यों किया गया।

सीएमओ कार्यालय पहुंचकर लगाए थे आरोप

बीते गुरुवार को सीएचसी में तैनात महिला डॉक्टर और कर्मचारियों की अधीक्षक डॉ. दिवाकर से तीखी नोकझोंक हुई इसके बाद डॉक्टरों और कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पहुंचकर अधीक्षक पर अभद्र व्यवहार सहित कई गंभीर आरोप लगाए और निष्पक्ष जांच की मांग की।

जांच प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

मामले की जांच के लिए सीएमओ ने टीम गठित की थी कर्मचारियों का आरोप है कि बयान दर्ज करने के दौरान आरोपी अधीक्षक स्वयं मौजूद रहे जिस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई उनका कहना था कि इससे निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है, लेकिन उनकी आपत्ति पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उधर जिलाधिकारी ने भी पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है।

शिकायतकताओं का हुआ तबादला

सोमवार देर शाम शिकायतकर्ता महिला डॉक्टर का तबादला सरोजनीनगर तथा एएनएम का स्थानांतरण गोसाईंगंज कर दिया गया। आदेश जारी होते ही कर्मचारी संगठनों और ग्रामीणों में रोष फैल गया। उनका कहना है कि शिकायत करने वालों पर कार्रवाई हुई जबकि जिनके खिलाफ आरोप लगाए गए उनके विरुद्ध अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया।

13 वर्षों से जमे अधीक्षक पर सवाल

ग्रामीणों और कर्मचारियों का आरोप है कि अधीक्षक पिछले लगभग 13 वर्षों से एक ही सीएचसी में तैनात उनका कहना कि पूर्व में भी कई विवाद सामने आए लेकिन उनके खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि शिकायतकताओं का तबादला करना न्यायसंगत नहीं।

निष्पक्ष जांच की मांग

कर्मचारी संगठनों और ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शिकायत करने वालों पर ही कार्रवाई होगी तो भविष्य में कोई भी कर्मचारी अपनी बात रखने का साहस नहीं करेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती लापता, पिता ने युवक के खिलाफ भगा ले जाने की कराई रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र से बीते दिनों एक 21 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयी। काफी खोजबीन के बाद उसके पिता ने एक युवक के खिलाफ उसे भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। होने का मामला सामने आया है। हरदोई जिले के बिलग्राम थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के मुताबिक उसकी 21 वर्षीय छोटी बेटी अपनी बड़ी बहन के साथ सरोजनी नगर के गौरी बाजार में रह रही थी। पीड़ित व्यक्ति का कहना है कि 13 जुलाई को बड़ी बेटी काम पर चली गई। लेकिन शाम को जब वापस लौटी तो छोटी बेटी घर में नहीं मिली। इसके बाद उसकी काफी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी हरदोई के बिलग्राम थाना अंतर्गत कबीरन पुरवा निवासी अश्वनी कुमार से पूर्व में बात चीत करती थी और संदेह है कि वही उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। आरोप है कि उसे भगाने में अश्वनी के पिता अशोक कुमार का भी सहयोग है। फिलहाल युवती के पिता की तहरीर पर पुलिस मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर युवती और आरोपी की तलाश कर रही है।

बिजली विभाग के संविदा लाइनमैन के साथ मारपीट का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र में बिजली विभाग के संविदा लाइनमैन के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। इस मामले में बंथरा के गड़रियन खेड़ा लोनहा निवासी लाइन मैन रितेश पाल ने सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा में रहने वाले सर्वेश कुमार व दो-तीन अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रितेश पालके मुताबिक वह टीएम सर्विसेज कंसल्टिंग प्रा. लि. के माध्यम से गहरू 33/11 केवी पावर हाउस में लाइनमैन के पद पर कार्यरत है। रितेश का आरोप है कि 19 जुलाई की रात करीब 9:45 बजे सर्वेश कुमार ने उसे दरोगा खेड़ा स्थित लोधी स्टेट में बुलाया। वहाँ सर्वेश अपने दो-तीन साथियों के साथ पहले से मौजूद था। आरोप है कि रितेश के पहुंचते ही सभी ने उसके साथ मारपीट कर गाली-गलौज की और करीब एक घंटे तक बंधक बनाकर ड्यूटी पर जाने से रोके रखा। इससे बिजली आपूर्ति से जुड़े सरकारी कार्य में भी बाधा उत्पन्न हुई। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लालजी टंडन को पुण्यतिथि पर भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय श्रद्धेय बाबूजी श्री लालजी टंडन जी की पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को हजरतगंज स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना एवं असीम अरुण, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह, भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, उपविजेता रजनीश गुप्ता, टंडन परिवारजन में अमित टंडन, सुबोध टंडन सहित भाजपा लखनऊ महानगर के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित नेताओं ने स्वर्गीय लालजी टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन की मजबूती और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। उनका सरल स्वभाव, कुशल नेतृत्व और कार्यकताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल, सत्येंद्र सिंह, टिंकू सोनकर, उपाध्यक्ष विनायक पांडेय, दीपक शुक्ला, सौरभ वाल्मीकि, मंत्री सतीश मिश्रा, सतवीर, सहित बड़ी संख्या में कार्यकता उपस्थित रहें।

अग्निशमन एवं आपात सेवा को मिलेगी नयी ताकत

अमन लेखनी समाचार

- 25.78 करोड़ से खरीदे जाएंगे 44 वाटर और 5 फोम टेंडर

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ स्थित लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में अग्निशमन एवं आपात सेवा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

योगी कैबिनेट ने विभाग के लिए कुल 44 वाटर टेंडरों और 5 फोम टेंडरों के निर्माण और खरीद के लिए 25 करोड़ 78 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी। इस निर्णय के तहत नई मांग के सापेक्ष 5 वाटर टेंडर (2500 लीटर क्षमता) का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा निष्प्रयोज्य के सापेक्ष 39 वाटर टेंडर (2500 लीटर क्षमता) तथा 5 फोम टेंडर (5000+500 लीटर क्षमता) का निर्माण एवं क्रय किया जाएगा। इन सभी वाहनों में चेसिस, हाई प्रेशर पंप, फैब्रिकेशन और आवश्यक एसेसरीज शामिल होंगी। कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अग्निशमन एवं आपात सेवा एक अत्यंत महत्वपूर्ण आपातकालीन सेवा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण, शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं पर त्वरित और प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाना है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश के तंग मोहल्लों, भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों, कस्बों, औद्योगिक इकाइयों, पेट्रोलियम एवं गैस प्रतिष्ठानों, रासायनिक इकाइयों, एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा पेंट और अन्य ज्वलनशील तरल पदार्थों के गोदामों में आग बुझाने के लिए आधुनिक फायर टेंडरों की आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

चुनाव को लेकर पार्टी अपने पदाधिकारियों के साथ मंथन कर रही : निषाद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) द्वारा लखनऊ में आयोजित पाँच दिवसीय पदाधिकारी मंथन एवं शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज दूसरा दिन संपन्न हुआ। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण श्रृंखला के अंतर्गत 20 जुलाई, को महिला मोर्चा तथा 21 जुलाई, को युवा मोर्चा, सोशल मीडिया एवं आईटी सेल के जनपद प्रभारियों के साथ शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं, 24 जुलाई, 2026 को निषाद पार्टी के संकल्पित, सक्रिय, प्रदेश, मंडल एवं जिला पदाधिकारियों की प्रादेशिक शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है। निषाद पार्टी समय-समय पर अपने पदाधिकारियों के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करती रही है, ताकि संगठन के पदाधिकारी प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों तथा पार्टी की नीतियों एवं दिशा-निर्देशों को भली-भांति समझ सकें और उन्हें जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी अपने पदाधिकारियों के साथ व्यापक चिंतन एवं मंथन कर रही है।

डॉ. निषाद ने कहा कि निषाद समाज के नाम पर राजनीति करने वाले विपक्षी नेताओं द्वारा विगत साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल का जवाब माँगा जा रहा है, जिसका तथ्यात्मक एवं प्रभावी उत्तर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग आज आरक्षण के मुद्दे पर हमसे प्रश्न कर रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि मुख्यमंत्री जी द्वारा भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त (आरजीआई) को पत्र लिखे जाने तथा आरजीआई से प्राप्त उत्तर के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मझवार एवं तुरैहा अनुसूचित जाति की श्रेणी में आते हैं तथा संबंधित उपजातियों के विषय में जो स्थिति स्पष्ट हुई है, वह निषाद पार्टी और उसके सतत संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जो लोग लगभग 70 वर्षों तक सत्ता में भागीदार रहे, मंत्री, सांसद और विधायक बने, लेकिन समाज को उसका अधिकार नहीं दिला सके, वही आज हमसे साढ़े चार वर्षों का हिसाब माँग रहे हैं। निषाद पार्टी आरक्षण के मुद्दे पर बनी थी और आज भी अपने मूल उद्देश्य एवं संकल्प पर पूरी दृढ़ता के साथ कायम है।

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज को बताया जाए कि सरकार में आने के बाद बीते साढ़े चार वर्षों में क्या कार्य किए गए और किन क्षेत्रों में ऐतिहासिक परिवर्तन लाए गए। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश का मत्स्य विभाग मछुआ समाज के कल्याण तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। पूर्व में भी प्रदेश में मत्स्य विभाग था, किन्तु मछुआ समाज के हित में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पाता था। डॉ. निषाद ने बताया कि वर्तमान सरकार में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, प्रधानमंत्री मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, मत्स्य क्षेत्र के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, माता सुकेता केज कल्चर योजना, निषाद राज बोट योजना तथा मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत शिक्षा, चिकित्सा, विवाह, दैवीय आपदा सहित विभिन्न मदों में आर्थिक सहायता जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति का मामला

सीबीआई के जवाब पर हाईकोर्ट नाराज

अमन लेखनी समाचार

संयुक्त निदेशक से मांगी जांच रिपोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया है। पीठ ने कहा कि सीबीआई की ओर से दाखिल जवाब उसके पूर्व आदेश के अनुरूप नहीं है और इससे शिकायत पर हुई जांच की प्रगति का पता नहीं चलता। यह कहते हुए पीठ ने सीबीआई के एसी मुख्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक अथवा संबंधित जोन प्रमुख को अगली सुनवाई पर स्वयं शपथपत्र दाखिल कर जांच की प्रगति का विस्तृत ब्यौरा देने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति आर एस चैहान और न्यायमूर्ति बी.आर. सिंह की पीठ ने सोमवार को कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दायर आपराधिक रिट याचिका पर लगभग दो घंटे तक इन-चैम्बर सुनवाई की थी। पीठ ने मामले को पार्ट-हर्ड मानते हुए अगली सुनवाई 20 अगस्त को निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान सीबीआई और ईडी ने अपने-अपने जवाबी हलफनामे दाखिल किए। कोर्ट ने सीबीआई के हलफनामे का अवलोकन करने के बाद कहा कि इसमें पूर्व आदेश के अनुरूप शिकायत पर हुई कार्रवाई और जांच की प्रगति का स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया है। ऐसे में उच्च अधिकारी के स्तर से नया शपथपत्र दाखिल किया जाना आवश्यक है। वहीं, ईडी की ओर से दाखिल हलफनामे पर पीठ ने कहा कि एजेंसी ने आवश्यक प्रारंभिक कदम उठाए हैं। यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता या अवैध कृत्य से संबंधित साक्ष्य एवं दस्तावेज सामने आते हैं तो ईडी विधि के अनुसार आगे की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगी। पीठ ने केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय तथा गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) के विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। याची द्वारा हाल में दाखिल दो अंतरिम प्रार्थना पत्रों के बावत कोर्ट ने कहा कि वह इन पर अगली सुनवाई में विचार करेगा। कोर्ट ने पूर्व आदेश के अनुरूप पूरे अभिलेख को सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ रजिस्ट्रार की सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का निर्देश भी बरकरार रखा।

संक्षेप

दबंगो ने परिजनो के साथ की मारपीट दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना अंतर्गत आधा दर्जन दबंग शेरोपुस्तो ने अवैध हथियारो व लाठी डंडों से अपने ही परिजनों पर हमला कर दिया ।पीड़ित पक्ष द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है ।बारा सगवर थाना के गाँव चिलौली निवासी रामशंकर पुत्र शिवशंकर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह गुरुवार शाम अपने घर में भैंस को चारा पानी कर रहे थे तभी रामशंकर के छोटे भाई की पत्नी मंजू पत्नी जयशंकर व गाँव के अनूप ,अन्नू उर्फ चन्द्रचूण , दीपू उर्फ अरविन्द ,चैतू, शैलेश एक राय होकर भद्दी-भद्दी गालियां देते हुये हांथ में लाठी-डंडे धारदार हथियार लिए हुए जिसमे अनूप व मंजू हांथ में कट्टा लिये हुये थे जान से मारने की धमकी देते हुए घर के अन्दर घुस आये व जानलेवा हमला कर दिया। जिससे उसके सिर पर गम्भीर चोटें आई है उसको बचाने आयी पत्नी श्यामा देवी को भी उन लोगो ने मारा-पीटा और हांथ में काट लिया । तहरीर में रामशंकर ने बताया अनूप उर्फ रामलखन अभ्यास्तः अपराधी है और इन व्यक्तियों पर थाना हाजा पर 8 मुकदमें दर्ज है और गुण्डा एक्ट की कार्यवाही प्रचलन में है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया छह लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है ।

नाली विवाद पर खूनी संघर्ष, महिला समेत 6 घायल

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के ग्राम पारा में सोमवार शाम नाली निर्माण के मुद्दे पर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। बात इतनी बढ़ी कि लाठी-डंडे और धारदार हथियार चलने लगे। इस झड़प में एक महिला सहित कुल 6 लोग जख्मी हो गए ।जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। घायल सईद अहमद का आरोप है कि गांव के असद, साना, अशरी, आसरा और चिट्टो समेत अन्य लोगों ने उन पर कुल्हाड़ी व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में सईद अहमद के साथ सलीम, रेहाना, मोइनुद्दीन सहित अन्य लोग भी घायल हुए हैं। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने सभी को जिला अस्पताल भेज दिया। देर रात करीब 11 बजे जिला अस्पताल में घायलों का इलाज शुरू हुआ। अस्पताल में परिजनों के पहुंचते ही भारी भीड़ जमा हो गई। डॉक्टरों की देखरेख में सभी का उपचार चल रहा है। कुछ घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है ।सूचना मिलते ही मौरावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। थाना प्रभारी कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आधी रात का अलार्म... घड़ी ने बदली तारीख, टोल ने बदल दी जेब की कहानी!

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रात के 12 बजते ही कैलेंडर ने 21 जुलाई का स्वागत किया और उसी पल नवाबगंज टोल प्लाजा पर सफर की कीमत भी बदल गई। अब इस रास्ते से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों को पहले से अधिक टोल चुकाना होगा। सवाल सिर्फ बढ़े हुए शुल्क का नहीं है, बल्कि उस वजह का भी है जिसने इस फैसले को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

एक अप्रैल को बढ़ा था, फिर जुलाई में क्यों

आमतौर पर टोल शुल्क का वार्षिक संशोधन 1 अप्रैल से लागू होता है। इस वर्ष भी नए वित्तीय वर्ष के साथ नई दरें लागू हुई थीं और माना जा रहा था कि पूरे साल यही शुल्क प्रभावी रहेगा।

लेकिन महज कुछ महीनों बाद दोबारा टोल दरों में संशोधन ने लोगों को चौंका दिया। सड़क किनारे चाय की दुकानों से लेकर सोशल मीडिया तक एक ही सवाल गूंज रहा है—₹आखिर इतनी जल्दी दोबारा बढ़ोतरी क्यों₹

एक्सप्रेसवे आया... पुराना हाईवे हुआ शांत

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद लंबी दूरी के हजारों वाहन पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग से हटकर नए मार्ग पर चले गए। तेज रफ्तार, बेहतर सड़क और कम समय की यात्रा ने ट्रैफिक का पूरा समीकरण बदल दिया।

जिस नवाबगंज टोल प्लाजा पर कभी वाहनों की लंबी कतारें दिखती थीं, वहां अब पहले जैसी चहल-पहल नहीं रही। कम ट्रैफिक के साथ टोल संग्रह प्रभावित होने की चर्चाएं भी लगातार तेज होती गईं।

15 लाख रोजाना घाटे की चर्चा... लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं

स्थानीय स्तर पर यह दावा किया

जा रहा है कि एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद नवाबगंज टोल प्लाजा को प्रतिदिन करीब 15 लाख तक के राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इस दावे की ठल्अक की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

यही कारण है कि नई टोल दरों को लेकर कई तरह की चर्चाएं और सवाल सामने आ रहे हैं।

क्या घाटे की भरपाई के लिए बढ़ा टोल

आधिकारिक आदेश में कहीं भी यह नहीं कहा गया कि टोल वृद्धि का कारण राजस्व में कमी है। फिर भी जिस समय यह फैसला लागू हुआ है, उसने बहस छेड़ दी है।

सबसे बड़ा सवाल यही है

क्या कम हुए ट्रैफिक की भरपाई बढ़े हुए टोल से हो सकती है

या फिर जरूरत इस बात की है कि बदलते यातायात पैटर्न को देखते हुए पूरी टोल नीति पर नए सिरे से विचार किया जाए।

21 जुलाई से लागू नई दरें

कार, जीप, वैन (LMV): 100 (एकल यात्रा), 150 (रिटर्न)

हल्के व्यावसायिक वाहन/मिनी बस: 160

दो एक्सल बस/ट्रक: 340

तीन एक्सल वाहन: 370

चार से छह एक्सल भारी वाहन: 535

सात या अधिक एक्सल वाहन: 650

स्थानीय (20 किमी दायरे) गैर-व्यावसायिक वाहन मालिकों के लिए:

मासिक पास: 360

वार्षिक पास: 3,075

जेब पर बढ़ा बोझ, नाराजगी भी बढ़ी

वाहन चालकों और परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि ईंधन, महंगाई और संचालन लागत पहले ही बढ़ चुकी है। ऐसे में टोल शुल्क में लगातार दूसरी बढ़ोतरी यात्रा और माल ढुलाई—दोनों को और महंगा कर देगी।

आखिरी सवाल... जिसका जवाब अभी बाकी है

आधी रात को सिर्फ टोल की दरें नहीं बदलीं, बल्कि बहस का नया अध्याय भी शुरू हो गया।

क्या बढ़ा हुआ टोल घटते राजस्व की भरपाई कर पाएगा, या फिर यह फैसला वाहन चालकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बनकर रह जाएगा इस सवाल का जवाब आने वाले दिनों में ट्रैफिक के आंकड़े, टोल संग्रह और संबंधित एजेंसियों की नीतियां ही देंगी। फिलहाल इतना तय है कि 21 जुलाई से नवाबगंज टोल प्लाजा पार करने की कीमत पहले से ज्यादा होगी।

महिला ने अपने ससुरालीजनो पर पर दर्ज कराया मारपीट का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारासगवर अन्तर्गत विवाहिता को जान से मारने की धमकी देकर घर भगा दिए जाने के मामले में तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के गाँव बद्रीराखन खेडा निवासिनी नेहा देवी पुत्री हनुमान की शादी 3 दिसंबर 2025 को नीरज पुत्र रामविलास निवासी भदिया थाना बिहार में हुई थी। नेहा ने बताया कि उसकी ससुराल वाले अक्सर बिना वजह के उसके साथ मारपीट गाली गलौज करते रहते है। 10 जून 2026 पति नीरज सास पुनम व ससुर रामविलास ने गाली गलौज कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी

देकर भगा दिया व सारे जेवर भी ले लिए। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया तीन ससुरालीजनों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बिजली विभाग के अधिकारियों की मनमानी से उपभोक्ता बेहाल, फोन उठाने की जहमत नहीं उठाते जिम्मेदार

अमन लेखनी समाचार

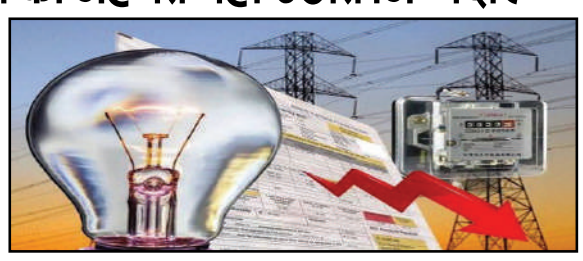

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही का आलम यह है कि उपभोक्ता घंटों अंधेरे में रहने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सब-स्टेशन बांगरमऊ में तैनात अवर अभियंता (JE), उप खंड अधिकारी (SDO) और अधिशाषी अभियंता (EE) के सरकारी नंबर अक्सर या तो बंद रहते हैं या फिर फोन करने पर कोई जवाब नहीं मिलता। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बिजली कटने पर जब वे विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को फोन करते हैं, तो कोई भी अधिकारी फोन उठाने की जहमत नहीं उठाता। यदि किसी संयोग से फोन लग भी जाए, तो कॉल रिसीव नहीं की जाती। अधिकारियों की इस मनमानी के कारण उपभोक्ता घंटों तक परेशान रहते हैं और उन्हें समस्या का समाधान पाने के लिए सब-स्टेशन के चक्कर लगाने पड़ते हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि रात के समय तो स्थिति और भी खराब हो जाती है। बिजली फाल्ट होने या सप्लाई ठप होने की स्थिति में मौके पर कोई भी कर्मचारी या अधिकारी नहीं मिलता। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की उदासीनता के चलते बांगरमऊ में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से भगवान भरोसे चल रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं ने बताया कि दिन हो या रात, अघोषित बिजली कटौती का सिलसिला लगातार जारी है। उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत के बावजूद अब तक विभाग की कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं आया है। अधिकारियों का यह रवैया उनकी तानाशाही को दर्शाता है। ?अब देखना यह है कि क्या उच्चाधिकारी इस मामले का संज्ञान लेकर उपभोक्ताओं की समस्या का निराकरण कराएंगे या फिर जनता को इसी तरह अंधेरे और उपेक्षा का शिकार होना पड़ेगा।

नौकरी का झांसा देकर 30 लाख ठगने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुरवा थाना पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसएसपी उन्नाव के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई।

मामला 29 जुलाई 2025 का है। राजेश पुत्र स्व. दयाशंकर निवासी बेगमगंज, कस्बा पुरवा ने तहरीर देकर बताया था कि आरोपी ने सचिवालय में फड पद पर नौकरी लगवाने का वादा किया था। आरोपी ने खुद को सचिवालय का बड़ा अधिकारी बताकर राजेश के बेटे प्रद्युम्न और उसके दोस्त अनिरुद्ध से 30-30 लाख रुपये ले लिए थे। पैसे लेने के बाद न तो नौकरी लगी और न ही रकम वापस की गई। इस शिकायत पर पुरवा थाने में मु.अ.सं. 273/25 धारा 419, 420, 406, 467, 468, 471 भादवि के तहत केस दर्ज किया गया था।

आज 21 जुलाई 2026 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आजाद बाईपास मार्ग से आरोपी दुर्गेश सविता पुत्र रामप्रकाश सविता निवासी ग्राम बंथर, थाना अचलगंज, उम्र करीब 30 वर्ष को पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद में आगामी जनगणना-2027 के फरवरी 2027 में प्रारम्भ होंने वाले द्वितीय चरण के सफल एवं त्रुटिरहित संचालन के उद्देश्य से जनगणना द्वितीय चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति एवं परिवार का सही एवं पूर्ण विवरण दर्ज किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रगणक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण के दौरान बताए गए दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अध्ययन करें तथा फील्ड में पूरी जिम्मेदारी एवं निष्पक्षता के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रभाव शाली कार्य किया जाए, बारीकियों को समझ लिया जाय, कोई डाउट है तो क्लियर कर लिया जाय जनगणना त्रुटि रहित पारदर्शी हो इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।

प्रशिक्षण में जनगणना के द्वितीय चरण की कार्यप्रणाली, डिजिटल एप्लिकेशन के उपयोग, परिवारों से जानकारी संकलित करने की प्रक्रिया, डेटा की शुद्धता एवं गोपनीयता बनाए रखने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनगणना कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण गुणवत्ता के साथ संपन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़ उपजीलाधिकारी बीघापुर आनंद नायक, बांगरमऊ बृजमोहन शुक्ला, सदर राजेश विश्कर्मा, सफीपुर फाल्गुनी सिंह, उपनिदेशक जनगणना निदेशालय, गौरव पांडेय, अपर जिला सांख्यकी अधिकारी प्रमोद गुप्ता सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, मास्टर ट्रेनर, पर्यवेक्षक एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

तेज बारिश के दौरान सड़क पर गिरा पेड़; बाइक सवार युवक की मौत, तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। कस्बे में मंगलवार दोपहर तेज बारिश के दौरान सड़क किनारे खड़ा विशालकाय चिलवल का पेड़ अचानक ढह गया। पेड़ की चपेट में आने से दो बाइक पर सवार पांच लोग दब गए। दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद चकलवंशी-संडीला मार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। प्रत्यक्षदर्शियों व औरास पुलिस के अनुसार, घटना दोपहर करीब 2:15 बजे की है। गोबरा गांव निवासी सुजीत (20) अपने गांव के विशाल (14) के साथ बाल कटवाकर बाइक से लौट रहा था। थाना औरास से लगभग 500 मीटर आगे संडीला मार्ग पर पहुंचते ही सड़क किनारे खड़ा चिलबल का पेड़ अचानक जड़ से उखड़कर उनकी बाइक पर आ गिरा।

दूसरी बाइक भी आई चपेट में

सुजीत और विशाल पेड़ के नीचे दब ही रहे थे कि इसी दौरान सीमऊ गांव से औरास की ओर आ रही दूसरी बाइक भी इसकी चपेट में आ गई। इस बाइक पर अंकित (24), उसका भाई अरुण और बहन रिंकी सवार थे।

राहत कार्य और घायलों का हाल

सूचना मिलते ही औरास थाना पुलिस और नगर पंचायत की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ की डालियों को काटकर हटाया गया और सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास भेजा गया।

एक घंटे ठप रहा संडीला मार्ग, सावधानी बरतने की अपील

पेड़ गिरने के कारण चकलवंशी-संडीला मार्ग पर लगभग एक घंटे तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। पेड़ को सड़क से हटाए जाने के बाद यातायात दोबारा सामान्य हो सका। औरास थाना पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए पेड़ गिरने की आशंका के प्रति लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

गंगा पुल से नदी में कूदा युवक, गोताखोर ने बचाई जान, वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगा घाट थाना क्षेत्र में स्थित पुराने गंगा पुल पर एक युवक द्वारा नदी में छलांग लगाने का मामला सामने आया है। पुल से कूदने के बाद युवक गहरे पानी में फंस गया था, जिसे घाट पर मौजूद गोताखोर सलमान ने अपनी जान जोखिम में डालकर बचा लिया। इस पूरी घटना का 1 मिनट 7 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि यह घटना करीब 3 दिन पुरानी है। इंस्टाग्राम पर अंशुल मिश्रा नाम के यूजर ने यह वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक पहले पुल की रेलिंग पर लटका और फिर सीधे गंगा में कूद गया। इस दौरान कुछ लोग मदद करने की जगह मोबाइल से वीडियो बनाते रहे।

नदी में गिरने के बाद युवक कुछ देर तैरता रहा, लेकिन बाद में वह डूबने लगा। उसकी चीख-पुकार सुनकर घाट पर मौजूद गोताखोर सलमान तुरंत पानी में कूदे और कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लाए। सलमान की सूझबूझ से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

गोताखोर सलमान के मुताबिक युवक नशे में था। उसे बाहर निकालने के बाद घाट पर काफी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने उसे समझाया भी। बताया जा रहा है कि युवक को बाद में उसके परिजनों को सौंप दिया गया, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है ।स्थानीय लोगों का कहना है कि पुराने गंगा पुल पर इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। लोगों ने प्रशासन से पुल पर सुरक्षा, सीसीटीवी और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है ताकि कोई और अपनी जान जोखिम में न डाले। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

27 जुलाई तक साथी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी, नहीं तो बीज लाइसेंस रद्द

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिले के सभी बीज उत्पादकों, थोक और खुदरा बीज विक्रेताओं के लिए कृषि विभाग ने जरूरी आदेश जारी किया है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के 'साथी पोर्टल' पर 27 जुलाई तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। तय तारीख तक रजिस्ट्रेशन न करने वाले कारोबारियों का लाइसेंस निलंबित या खत्म किया जा सकता है ।जिला कृषि अधिकारी शशांक ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि साथी पोर्टल के जरिए बीज के उत्पादन से लेकर किसानों तक पहुंचने तक की पूरी प्रक्रिया का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य बीजों की खरीद-फरोख्त और वितरण में पारदर्शिता लाना और उनकी गुणवत्ता पर कड़ी नजर रखना है ।विभाग का कहना है कि इस नई डिजिटल निगरानी व्यवस्था से नकली, घटिया और अवैध तरीके से बाजार में आने वाले बीजों पर लगाम लगेगी। इससे किसानों को प्रमाणित और अच्छी क्वालिटी के बीज मिल सकेंगे। साथ ही फर्जी तरीके से कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना भी आसान हो जाएगा ।अधिकारियों ने साफ किया कि जिले की सभी बीज उत्पादन इकाइयां, निजी और सहकारी प्रसंस्करण इकाइयां, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। कारोबारियों को विभाग से मिली लॉगिन आईडी और पासवर्ड से बीज लाइसेंस, आधार, पैन, जीएसटी और प्रतिष्ठान से जुड़े अन्य कागजात पोर्टल पर अपलोड करने होंगे ।जिला कृषि अधिकारी ने सभी व्यापारियों से आखिरी तारीख का इंतजार न करने और जल्द रजिस्ट्रेशन पूरा करने की अपील की है। अगर पंजीकरण में कोई तकनीकी परेशानी आती है तो किसान जिला कृषि कार्यालय या क्षेत्रीय कृषि अधिकारियों से संपर्क कर मदद ले सकते हैं। विभाग ने चेताया है कि 27 जुलाई के बाद बिना पंजीकरण पाए गए बीज कारोबारियों पर नियमों के तहत सख्त कार्रवाई होगी। विभाग का मानना है कि इस नई व्यवस्था से बीज कारोबार में जवाबदेही बढ़ेगी और किसानों को सही समय पर अच्छे बीज उपलब्ध हो सकेंगे

कांग्रेस पार्षद का नगर निगम पर प्रदर्शन

बोले- कागजों में होती है नाले की सफाई, अवैध कब्जों से बढ़ा जलभराव

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , निसरजई-एमनजई जलालनगर वार्ड के कांग्रेस पार्षद तालिब खां ने स्थानीय लोगों के साथ नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर निगम पर नाले की सफाई में फजीवाड़ा करने का आरोप लगाया। पार्षद ने कहा कि नाले पर अवैध कब्जों के कारण क्षेत्र में जलभराव की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। इस संबंध में उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। तालिब खां ने आरोप लगाया कि नगर निगम हर बार नाले की सफाई केवल कागजों में दिखाता है, जबकि मौके पर नाला मलबे से भरा रहता है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने पर पानी बस्तियों में घुस जाता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उनका कहना है कि नाले की नियमित और प्रभावी सफाई नहीं होने से समस्या लगातार बढ़ रही है।

नाले की जमीन पर कब्जा कर प्लॉटिंग का आरोप

पार्षद ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने नाले की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है, जिससे नाला संकरा हो गया है। उन्होंने कहा कि कुछ भूखंड डेवलपर्स नाले की भूमि पर प्लॉटिंग कर भूखंड बेच रहे हैं। उन्होंने मांग की कि नाले के दोनों किनारों की पैमाइश कराई जाए और अतिक्रमण हटाकर नाले को चौड़ा किया जाए, ताकि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

दो कर्मचारियों पर घर बैठे वेतन लेने का आरोप

तालिब खां ने नगर निगम के दो कर्मचारियों पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दोनों कर्मचारी वर्षों से ड्यूटी से गायब हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति दर्ज कर हर महीने वेतन का भुगतान किया जा रहा है। उनका दावा है कि एक जांच रिपोर्ट में भी दोनों कर्मचारियों की तैनाती निसरजई आंशिक क्षेत्र में होना सामने आया था।

वेतन वसूली और मिलीभगत की जांच की मांग

पार्षद ने दोनों कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, तत्काल कार्यमुक्त करने और अब तक लिए गए वेतन की वसूली की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में अधिकारियों की मिलीभगत है।

**संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं।

संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेगा तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक हैं। विपक्ष का काम है आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लांघकर अनियंत्रित होने लगे, अभद्रता और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने के पहले दिन से ही बिना किसी उचित कारण के तख्तियाँ और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना ,अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो सरकार के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बगैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाईश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अंधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहाँ था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सीधे सरकार के नुमाइंदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होती हैं।

विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, सांप्रदायिक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध, ये सभी किसी भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते हैं। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होता है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी कार्यशैली पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो, न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों का विरोध करे यही जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तम्भकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों-परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।

सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए। हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

संक्षेप

नहर में बोरे में मिला अज्ञात युवक का शव

अमेठी में कई दिन पुराना होने से पहचान नहीं हो पा रही

अमेठी ,जामो थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। बीती रात करीब 9 बजे रेशी गांव स्थित शारदा सहायक खंड-49 नहर से एक बोरे में बंधा अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। नहर के बंधवा पुल के पास मिले इस शव से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने हत्या कर शव को बोरे में बांधकर नहर में फेंके जाने की आशंका जताई है। घटना का खुलासा तब हुआ जब नहर के चौकीदार ने नहर में एक बोरा पड़ा देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जामो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बोरे को बाहर निकलवाया। बोरा खोलने पर उसमें करीब 40 वर्षीय एक युवक का शव मिला। मृतक ने नीले रंग की पैंट और सफेद रंग की शर्ट पहन रखी थी। उसके हाथ और गले में काला धागा बंधा हुआ था। पुलिस के अनुसार, शव कई दिन पुराना होने के कारण चेहरा खराब हो गया है, जिससे उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। मृतक के मुंह, आंख और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान पाए गए हैं। इन निशानों से यह आशंका जताई जा रही है कि पहले युवक की बेरहमी से पिटाई की गई और फिर उसकी हत्या कर पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को बोरे में बांधकर नहर में फेंक दिया गया। जामो पुलिस आसपास के जिलों और अन्य थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान कर मृतक की शिनाख्त कराने में जुटी है। घटनास्थल पर एसओजी और फोरेंसिक टीम भी पहुंची और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट से मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। जामो थाना इंस्पेक्टर विनोद सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान के लिए अमेठी के अलावा सुल्तानपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, अयोध्या सहित अन्य जिलों के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का विवरण मंगाया जा रहा है।

खेत से युवक की बाइक चोरी

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

अमेठी , कोतवाली क्षेत्र में खेत में पानी लगाने गए एक युवक की मोटरसाइकिल अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पूरे गुरु बकस, उमापुर गानापट्टी निवासी संजय कुमार अपनी हीरो स्प्लेंडर से खेत में पानी लगाने गए थे। खेत में कार्य करने के दौरान अज्ञात चोर उनकी बाइक लेकर फरार हो गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो बाइक मौके से गायब थी। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद संजय कुमार ने अमेठी कोतवाली पहुंचकर घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है । और संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। थाना प्रभारी श्रीराम पाण्डेय ने बताया कि बाइक चोरी की शिकायत प्राप्त हुई है।

नहीं आए राकेश टिकैत, किसानों ने भरी हुंकार

प्रयागराज में किसान महापंचायत में उठे कई मुद्दे, जमकर नारेबाजी

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के आह्वान पर मंगलवार को किसान महापंचायत में शामिल होने राकेश टिकैत नहीं आए। हालांकि बड़ी संख्या में जमा हुए किसानों ने कई मुद्दों पर हुंकार भरी। धरना स्थल पर जमकर नारेबाजी की गई। भाकियू ने इसी बहाने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की। महापंचायत में हंगामा न हो इसे लेकर पुलिस अलर्ट रही। आसपास बैरिकेडिंग कर पुलिस और आरएएफ का पहरा रहा। सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजाघर में 'डेरा डालो, घेरा डालो किसान सम्मान महापंचायत' में बड़ी संख्या में किसान पहुंचे। राकेश टिकैत का इंतजार होता रहा लेकिन किन्हीं कारणों से वे नहीं आए। असल में भाकियू युवा के प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य के खिलाफ एक साथ आठ मुकदमे दर्ज हुए। जमीन संबंधित इन मामलों में बुलडोजर एक्शन भी हुआ। इसी के बाद भाकियू पुलिस और प्रशासन के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन की तैयारी की थी। यह विरोध प्रदर्शन उसी से जोड़कर देखा जा रहा है। महापंचायत में तमाम किसान ट्रैक्टर लेकर भी पहुंचे। हालांकि प्रशासन ने ट्रैक्टरों को एक जगह खड़ा करा दिया। इस दौरान किसान नेता भारत माता की जय, जय किसान, जब तक किसान रहेगा धरती पर तूफान रहेगा जैसे नारे लगाए। भाकियू नेताओं ने कहा कि यह महापंचायत किसानों, युवाओं और ग्रामीण समाज से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर आयोजित की जा रही है। महापंचायत में किसानों को समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने, बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने, ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, गलत बिल देने वाले स्मार्ट मीटर हटाकर मैन्युअल मीटर लगाने, भारत-अमेरिका ट्रेड डील रद्द करने, युवाओं के रोजगार, शिक्षा और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा होगी।

इसके साथ ही किसानों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण पर रोक, प्रभावित किसानों को न्याय, बारा पावर प्लांट से प्रभावित किसानों से किए गए वादे पूरे कराने, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, प्राथमिक विद्यालयों के विलय पर रोक तथा जर्जर विद्यालय भवनों के निर्माण सहित किसानों और ग्रामीण जनता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे तथा आगे के संघर्ष की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

स्ट्रीट डॉग को मारकर पेड़ से लटकाया

खूंखार कुत्तों ने घर में घुसकर 12 लोगों पर हमला किया, गुस्साई भीड़ ने पीट-पीटकर मारा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,कटखन्ने कुत्तों ने कई लोगों पर हमला करके उन्हें घायल कर दिया। अलग-अलग घरों में घुसकर 12 लोगों को नोच दिया। इससे गांव के लोग भड़क गए। गुस्साए लोगों ने कुत्ते को घेरकर उसे लाठियों से पीट दिया। इससे उसकी मौत हो गई। नाराज लोग कुत्ते की बॉडी को घसीट कर गांव के बाहर ले गए और एक पेड़ से लटका दिया। घटना 19 जुलाई की है। घायल लोग इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे तो जानकारी सामने आई। कुत्ते की पिटाई के बाद उसे मारकर लटकाने वाले लोगों का कहना है कि इससे दूसरे कुत्ते डरेंगे। मामला जिला मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर खीरी इलाके के पाठकपुर गांव का है।घायल हुए पीड़ितों ने बताया कि कुत्ते के झुंड ने घर में घुसकर काटा है। यमुनापार इलाके के खीरी थाना क्षेत्र के पाठकपुर गांव में इन दिनों कुत्तों का खौफ हावी है। यहां के कुत्ते लोगों को देखते ही हमला कर दे रहे हैं। इन कुत्तों की संख्या पांच के करीब है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़क पर गौशाला और तलाब है। इसी के पास शमशान भी है। गौशाला के जो मवेशी मर जाते हैं उन्हें शमशान के पास फेंक दिया जाता है। गांव के अन्य जानवर भी मरते हैं तो यहीं फेंके जाते हैं। जानवरों के शवों को कुत्ते नोंच कर खाते रहते हैं। शवों के खाने की आदत से ही 5 कुत्ते हमलावर हो गए। अब ये कुत्ते पूरे गांव के लोगों पर हमला कर रहे हैं।इसी बीच 19 जुलाई की सुबह एक खूंखार कुत्ता राघवेंद्र शुक्ला के घर में घुस गया। उन्हें बुरी तरह से नोच लिया। बचाने के लिए दौड़ीं पत्नी अनुराधा शुक्ला पर भी हमला कर उनके चेहरे को नोच लिया। पति-पत्नी की चीख सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। उसके बाद लोगों ने कुत्ते की तलाश शुरू कर दी। दोपहर में करीब 35 से 40 लोगों ने लाठी, बल्लम आदि लेकर उसे घेर लिया। कुत्ते ने बचने के लिए दौड़ लगाई, लेकिन भीड़ ने उसे पकड़कर पीट-पीटकर मार डाला। इसके बाद गांव के प्राइमरी स्कूल के पास तालाब किनारे बगीचला में लगे एक पेड़ की डाल से उसे टांग दिया।

किसी का चेहरा नोचा तो किसी छाती पर पंजा मारा

गांव के लोगों के मुताबिक 5-6 कुत्ते पिछले एक सप्ताह से लोगों को परेशान कर रहे हैं। गांव के ही राघव मुरारी शुक्ला, गायत्री देवी वर्मा, इंद्रलाल कुशवाहा उनकी सात साल की बेटी पर हमला कर काट लिया।इंद्र लाल के हांथ की उंगलियां तक नोंच लीं।

पुलिस ने दो अंतरराज्यीय चोरों को पकड़ा

चोरी का ट्रैक्टर और दो ट्रॉली बरामद, कई वारदातें कबूलीं

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , पुलिस ने दो अंतरराज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का एक ट्रैक्टर और दो ट्रॉली बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने अमेठी, बाराबंकी और लखनऊ में चोरी की कई वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाजारशुक्ल पुलिस को यह सफलता मिली। थानाध्यक्ष विवेक वर्मा के नेतृत्व में एक टीम ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान ट्रैक्टर पर सवार दो संदिग्धों को पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान बाराबंकी के थाना सुबेहा अंतर्गत राजघाट सराय निवासी मो. शाहिल पुत्र असलम और रायबरेली के थाना बछरांवा अंतर्गत सिदौली रामपुर निवासी मो. जहीर पुत्र मुन्ना के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी का एक ट्रैक्टर अउए ऊक 450 और दो ट्रॉली बरामद की हैं।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने सफेद रंग की ट्रॉली 4 जुलाई की रात पूरे रग्घू शुक्ल का पुरवा, मवैया रहमतगढ़ से

चुराई थी। नीले रंग की ट्रॉली 9 जुलाई को ग्राम पाताल पुरवा, बाराबंकी से और नीले रंग का ट्रैक्टर कमालपुर, लखनऊ से चोरी किया था। इस संबंध में थाना बाजारशुक्ल में पहले से धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज था।

बसपा अध्यक्ष का सवाल-भगवान का घर सुरक्षित क्यों नहीं?

राम मंदिर में चोरी पर सरकार से पूछा, क्या कर रही है सरकार?

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर ,बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर भगवान का घर सुरक्षित नहीं है, तो सरकार क्या कर रही है। कादीपुर विधानसभा क्षेत्र के दोस्तपुर में 3:30 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को लिखी चिट्ठी और राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों से जुड़े सवाल पर विश्वनाथ पाल ने अपनी क्षेत्रीय भाषा (अवधी) में तंज कसा। उन्होंने कहा, ₹चोरी चाहे तोहरे घरे हुए, चाहे हमरे घरे हुए, ई तो भगवान के घरे होइ गइ। अगर भगवान के घर नहीं बच पावत है, तो यह सरकार का करती है, एकर आप ध्यान द्या।₹ इसका अर्थ है कि चोरी चाहे आपके घर हो या हमारे, यहां तो भगवान के घर ही चोरी हो गई। अगर सरकार भगवान का घर भी सुरक्षित नहीं रख पा रही है, तो वह आखिर क्या कर रही है, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। विश्वनाथ पाल ने बताया कि यह बैठक किसी विशेष सुरक्षित सीट के लिए नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में ओबीसी सामाजिक भाईचारा संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में बसपा को सत्ता में वापस लाने के लिए बहन कुमारी मायावती के निर्देशों पर पूरे प्रदेश में ऐसी बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इनका लक्ष्य ओबीसी और अन्य पिछड़े समाजों को बसपा द्वारा किए गए कार्यों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बसपा के बढ़ते जनाधार को देखकर मौजूदा सरकार घबरा गई है। इसी घबराहट के चलते बसपा के जिला संयोजकों और कार्यकर्ताओं को 'हाउस अरेस्ट' (नजरबंद) कर दिया गया था।

मंडी में सफाई व्यवस्था उजागर

5 माह से टेंडर नहीं, गंदगी आदि समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , अमहट मंडी में हुई बारिश ने सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। बीते पांच महीने से सफाई का टेंडर न होने के कारण मंडी परिसर में जगह-जगह गंदगी और जलभराव की स्थिति है। नालियां जाम होने से पूरा मंडी परिसर पानी से भरा नजर आ रहा है। व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि टेंडर न होने के बावजूद मंडी प्रभारी अपने निजी कर्मचारियों से सफाई का काम करवाकर केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। उनका कहना है कि पहले टेंडर के तहत 12 मजदूर और मशीन के साथ चूना डालकर सफाई की जाती थी, लेकिन अब केवल 4-5 मजदूरों से काम चलाया जा रहा है। इसके बावजूद पूरे भुगतान का दावा किया जाता है। व्यापारियों ने यह भी बताया कि मंडी में अवकाश न होने के बावजूद सफाई कर्मचारियों को छुट्टी दे दी जाती है। मंडी कार्यालय के बगल की नालियां महीनों से जाम पड़ी हैं और उनमें गंदा पानी भरा हुआ है। सफाई के अभाव में मंडी में कीचड़, बदबू और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इस संबंध में व्यापारियों ने दोपहर 1 बजे उप जिलाधिकारी सुल्तानपुर को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग की है कि बरसात के समय मंडी का औचक निरीक्षण किया जाए, जिससे सच्चाई सामने आ सके। व्यापारियों ने जांच कराकर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने और सफाई टेंडर प्रक्रिया को जल्द शुरू कराने की मांग की है।

बेकाबू डस्ट लोडर से ढही दीवार, 14 बाइक क्षतिग्रस्त

निहालगढ़ स्टेशन पर सुन्दरीकरण कार्य के दौरान हादसा, चालक पर रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे सुन्दरीकरण कार्य के दौरान दोपहर करीब तीन बजे एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माण सामग्री उतारते समय एक बेकाबू डस्ट लोडर साइकिल स्टैंड की चाहरदीवारी से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चाहरदीवारी भरभराकर ढह गई। मलबे में दबकर स्टैंड में खड़ी लगभग 14 बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कार्यदायी संस्था एजेंक्स मिक्सर मशीन के लिए डस्ट की ढुलाई करा रही थी। इसी दौरान बिहार के सारण जिले के भेल्दी येकमा गांव निवासी चालक सूरज कुमार वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह दुर्घटना हुई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चालक एमएस कॉन्ट्रैक्टर, मैनपुरी की ओर से निर्माण कार्य में लगाया गया था। साइकिल स्टैंड संचालक कुलदीप सिंह की शिकायत पर आरपीएफ पोस्ट निहालगढ़ में चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरपीएफ उपनिरीक्षक रमेश कुमार ने जानकारी दी कि वाहन को कब्जे में ले लिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। तकनीकी विभाग से क्षति का आकलन मिलने के बाद उसे भी मामले में शामिल किया जाएगा।

फंदे से लटकता मिला महिला का शव

मौके पर नहीं मिला सुसाइड नोट, पुलिस मौत के कारणों का लगा रही पता

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , इगलास कस्बे में सुबह एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह 8 बजे कमरे में पंखे से शव लटका मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरूआती जांच में आत्महत्या की वजह गृहकलह बताई जा रही है।

कमरे में मिला महिला का शव

मृतका की पहचान गीता देवी (40) पत्नी विनोद कुमार के रूप में हुई है। वह इगलास कस्बे के किला खेड़ा मोहल्ले की रहने वाली थीं। रविवार सुबह उनका शव कमरे में पंखे से लटका मिला।

घटना की जानकारी मिलते ही सब-इंस्पेक्टर अजीत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गृहकलह की आशंका

इगलास इंस्पेक्टर राजीव वर्मा ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। प्रथम दृष्टया गृहकलह की बात सामने आई है। हालांकि, मौत की सही वजह जानने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

एक साल पहले हुई थी पति की मौत

परिजनों के अनुसार, गीता देवी के पति विनोद कुमार का करीब एक वर्ष पहले बीमारी के कारण निधन हो गया था। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।पुलिस ने शव की पहचान चंडौस थाना क्षेत्र के सिकरना कलां निवासी असलम के रूप में की। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की गई। जांच के दौरान शक मृतक के चचेरे भाई फैजान पर गया। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी फैजान ने पुलिस को बताया कि असलम से उसका विवाद हुआ था। इस दौरान असलम ने उसके और उसके परिवार के बारे में अपशब्द कहे थे।

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई के विरोध में सपा का प्रदर्शन

शाहजहांपुर में राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग, निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,समाजवादी पार्टी नेताओं ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पर प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्यपाल से हस्तक्षेप कर कार्रवाई पर रोक लगाने और विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल से अपील की है कि वे संविधान संरक्षक के रूप में इस संवेदनशील मामले में हस्तक्षेप करें और प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करें। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय के विरुद्ध प्रस्तावित ध्वस्तीकरण और अन्य प्रशासनिक कार्रवाइयों को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों और नागरिकों में गहरी चिंता है। शैक्षणिक वातावरण प्रभावित प्रशासन का तर्क है कि विश्वविद्यालय के निर्माण संबंधी स्वीकृतियों में अनियमितताएं हैं। हालांकि, सपा नेताओं ने आशंका जताई है कि ऐसी कार्रवाई से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हजारों छात्रों का भविष्य, उनकी शिक्षा, परीक्षाएं और शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो सकता है। पदाधिकारियों ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के संबंध में प्रस्तावित ध्वस्तीकरण या किसी अन्य कठोर कार्रवाई पर निष्पक्ष एवं विधिसम्मत समीक्षा होने तक रोक लगाने के लिए राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनकी मांग है कि यदि कोई वैधानिक या निर्माण संबंधी अनियमितता है, तो उसका समाधान न्यायालय और विधि द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने की अपील की है कि विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों की शिक्षा, परीक्षा और डिग्री संबंधी हितों की पूर्ण सुरक्षा हो।

आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत

सुबह से रुक रुक बारिश के बीच हुआ हादसा, खेत की सिंचाई करने गया था

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , बारिश के बीच एक किशोर की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। यह घटना पट्टी कोतवाली क्षेत्र के चांदपुर गांव में हुई। मृतक की पहचान 18 वर्षीय अफसर खान के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, अफसर खान पुत्र वकील खान रविवार सुबह अपने धान के खेत की सिंचाई करने गया था। उसी समय अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों ने अफसर को संभालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया है। मृतक अफसर खान के परिवार में तीन भाई और एक बहन हैं। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है। बेटे की असमय मृत्यु से पिता और अन्य परिजन गहरे सदमे में हैं। जिले में लगातार हो रही बारिश और आकाशीय बिजली की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है। प्रशासन ने खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों, खेतों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने तथा मौसम विभाग की सलाह का पालन करने को कहा है।

दो सगे भाई समेत 3 नदी में डूबे

स्कूटी में 4.50 लाख का सोना मिला, एसडीआरएफ तलाश रही

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , सई नदी में नहाने गए तीन लड़के डूब गए। इनमें दो सगे भाई हैं, जबकि तीसरा उनका रिश्तेदार है। तीनों स्कूटी से घर से निकले थे। नहाते समय तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। किनारे पर मौजूद मछुआरों ने उन्हें डूबते देखा तो शोर मचाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अयोध्या और प्रयागराज से एडीआरएफ की टीमें भी बुलाई गईं। पुलिस ने एक लड़के का शव बरामद कर लिया है। बाकी दो की तलाश जारी है। नदी किनारे लड़कों की स्कूटी और चप्पलें मिलीं। स्कूटी की तलाशी में पॉलिथीन के अंदर करीब 30 ग्राम ज्वेलरी और 1 हजार रुपए नकद मिले। बरामद जेवरों की कीमत करीब साढ़े 4 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि ये गहने कहां से आए। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है। नगर कोतवाली के अचलपुर के रहने वाले सगे भाई कृष्ण सोनी (13) और अपने रिश्तेदार अमित सोनी (17) के साथ स्कूटी से घर से निकले थे।परिजनों के मुताबिक, तीनों ने दुकान जाने की बात कही थी। लेकिन रास्ते में वे सई नदी में नहाने पहुंच गए। नदी में उतरने के बाद तीनों नहाते-नहाते गहरे पानी की तरफ चले गए। कुछ ही देर में वे डूबने लगे। किनारे पर मौजूद मछुआरों ने उन्हें डूबते देखा तो शोर मचाया। वे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक तीनों गहरे पानी में चले गए।स्कूटी की तलाशी में करीब 30 ग्राम सोना मिला। पुलिस इसकी जांच कर रही है। सूचना मिलते ही सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा मौके पर पहुंचे।

संक्षेप

युवती को जिंदा जलाने का प्रयास

पंचायत में युवक का नाम लेने पर आरोप, पुलिस से गुहार

बागपत ,कोतवाली क्षेत्र में एक युवती ने गांव के ही एक युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का आरोप है कि पंचायत में एक युवक का नाम लेने से नाराज होकर उसके साथ अभद्रता की गई और उसे जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता के अनुसार, यह घटना उसके पति की चाची के कथित अवैध संबंधों से जुड़ी है। इस मामले को लेकर गांव में एक पंचायत बुलाई गई थी, जिसमें कई ग्रामीण मौजूद थे। युवती का कहना है कि पंचायत के दौरान उसने संबंधित युवक का नाम लिया था। युवती का आरोप है कि पंचायत के बाद आरोपी युवक ने उसे धमकियां दीं और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद उसने युवती पर मिट्टी का तेल डालकर उसे जिंदा जलाने का प्रयास किया। पीड़िता किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रही। घटना के बाद से युवती और उसका परिवार दहशत में है। रविवार को युवती ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। उसने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

चार पशु तस्कर गिरफ्तार

दो गाड़ियों से 39 पशु बरामद, हाईवे से हो रही थी तस्करी

बागपत, शहर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान चार पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये तस्कर दो बोलेरो पिकअप गाड़ियों में 39 पशुओं को भरकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के रास्ते गाजियाबाद ले जा रहे थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए इन्हें पकड़ा। बरामद गाड़ियों में पशुओं को क्रूरतापूर्वक भरा गया था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस मवीकला गांव के पास बागपत शहर कोतवाली क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बागपत से दिल्ली की ओर जा रही एक बोलेरो पिकअप को रोका गया। तलाशी लेने पर उसमें 39 पशु पाए गए, जिन्हें तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान बागपत पुराने कस्बे के निवासी रिहान, हारून, शकीरा और एहसान के रूप में हुई है। ये सभी पशु तस्करी में संलिप्त थे। कोतवाली प्रभारी मनोज चहल ने बताया कि दो गाड़ियों से 39 पशु बरामद किए गए हैं।

हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ा, हजारों बीघा फसल जलमग्न

बागपत , हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ने से किसानों की हजारों बीघा फसल जलमग्न हो गई है। लगभग 30 से अधिक गांवों में खड़ी फसलें पानी में डूबने से खराब होने लगी हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण धान और अन्य फसलें पूरी तरह से पानी में डूब गई हैं।

रात में नीट क्वालिफाई छात्र सुबह फेल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद में जगह-जगह बिना रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टर एमबीबीएस का बिल्ला लगाकर अवैध रूप से अस्पताल क्लिनिक संचालित कर रहे हैं जहां जिलाधिकारी द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के बाद भी विभागीय कार्रवाई पूर्ण रूप से लचर दिखाई पड़ रही है जहां एक तरफ मुख्य चिकित्सा अधिकारी अस्पताल तथा क्लिनिक को सीज कर कार्यवाही कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ सीज किए गए क्लीनिक अस्पताल के ताले पुनः खुल गए यह एक सोचनीय विषय है कल मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने खागा नगर पंचायत में संचालित बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे क्लिनिक लाइफ केयर हॉस्पिटल को सीज कर दिया वही हाल ही में कुछ दिनों पहले जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे में संचालित विधी हॉस्पिटल को ताला लगाकर सीज किया था परंतु चंद दिनों में ही सीज किया गया अस्पताल पुनः संचालित हो गया इससे साफ जाहिर होता है कि कार्यवाही के नाम पर विभाग द्वारा केवल खाना पूर्ति की जा रही है अन्यथा सीज किए गए अस्पताल चंद दिनों में कैसे खुल सकते हैं ऐसी हालत में विभागीय कार्यवाही संदिग्ध प्रतीत होती है इस बारे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी फतेहपुर से फोन संपर्क किया गया परंतु किसी कारण बस संपर्क नहीं हो पाया

चयनित उपनिरीक्षकों को पुलिस अधीक्षक ने दी हार्दिक शुभकामनाएं

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के विभिन्न थानों समेत पुलिस कार्यालय इत्यादि में कार्यरत महिला तथा पुरुष आरक्षियों का चयन उप निरीक्षक के पद पर हुआ जहां जानकारी मिलते ही जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने चयनित होने वाले सभी उप निरीक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी पुलिस अधीक्षक ने चयनित हुए सभी उपनिरीक्षकों को माल्यार्पण करते हुए कहा कि परिश्रम किसी का व्यर्थ नहीं जाता उसी का प्रतिफल है कि आज जनपद के पुरुष तथा महिला आरक्षी अपनी लगन तथा कर्तव्य निष्ठा के द्वारा अनुशासन युक्त होकर इस मुकाम पर पहुंचे हैं वहीं चयनित उप निरीक्षकों को पुलिस अधीक्षक ने संदेश देते हुए कहा कि सभी लोग अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन निष्पक्ष रूप से समर्पण भाव रखते हुए ईमानदारी से करें चयनित हुए सभी उप निरीक्षकों ने जनपद के प्रशासनिक अधिकारी का आभार व्यक्त किया

चयनित उपनिरीक्षकों को पुलिस अधीक्षक ने दी हार्दिक शुभकामनाएं

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के विभिन्न थानों समेत पुलिस कार्यालय इत्यादि में कार्यरत महिला तथा पुरुष आरक्षियों का चयन उप निरीक्षक के पद पर हुआ जहां जानकारी मिलते ही जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने चयनित होने वाले सभी उप निरीक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी पुलिस अधीक्षक ने चयनित हुए सभी उपनिरीक्षकों को माल्यार्पण करते हुए कहा कि परिश्रम किसी का व्यर्थ नहीं जाता उसी का प्रतिफल है कि आज जनपद के पुरुष तथा महिला आरक्षी अपनी लगन तथा कर्तव्य निष्ठा के द्वारा अनुशासन युक्त होकर इस मुकाम पर पहुंचे हैं वहीं चयनित उप निरीक्षकों को पुलिस अधीक्षक ने संदेश देते हुए कहा कि सभी लोग अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन निष्पक्ष रूप से समर्पण भाव रखते हुए ईमानदारी से करें चयनित हुए सभी उप निरीक्षकों ने जनपद के प्रशासनिक अधिकारी का आभार व्यक्त किया

पोस्टमार्टम में नहीं आया अतुल की मौत का सच

बिसरा सुरक्षित रखा गया, पुलिस ने वेटनरी डॉक्टर से भी सांप का पोस्टमार्टम कराया

अमन लेखनी समाचार

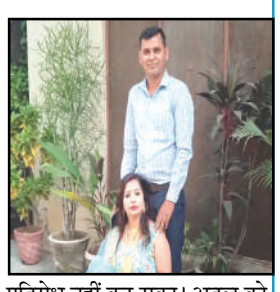

मेरठ ,हस्तिनापुर में नींद की गोलियां देकर सांप से कटवाकर पति की हत्या के मामले की जांच में अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि 25 नींद की गोलियां अपने आप में भी जानलेवा साबित हो सकती हैं। यही वजह है कि पोस्टमार्टम में मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका। अब मौत की वास्तविक वजह जानने के लिए विसरा सुरक्षित रखकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मौत नींद की गोलियों से हुई, सांप के जहर से या दोनों के संयुक्त प्रभाव से। पुलिस के अनुसार जांच में पता चला कि सांप से कटवाने से पहले दामिनी ने अतुल को दूध में 25 नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी थीं। इसके बाद करैत प्रजाति के जहरीले सांप से उसे कटवाया गया। आशंका है कि नींद की गोलियों के असर से अतुल प्रतिरोध नहीं कर सका। अतुल को दामिनी ने कॉमन करैत सांप से डसवाया था। पैनल का गठन कर सांप का पोस्टमार्टम कराया गया। इसकी रिपोर्ट में पता चला है कि सांप को दो दिन भूखा रखा गया था और उस पर तीन बार हमला कर उसे मारा गया। यह सांप सोनू और उदय ने तुषार द्वारा दिए गए 15 हजार रुपये में से किसी सपेरे से खरीदा था। यह सांप विश्व के सबसे विषैलों सांपों में शामिल है और साइलेंट किलर के नाम से जाना जाता है। वहीं करैत देश के सबसे जहरीले सांपों में गिना जाता है और इसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है। इसके विष में शक्तिशाली न्यूरोटॉक्सिन होता है, जो तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों पर तेजी से असर करता है।

चोरी के जेवरात समेत दो चोर हुए गिरफ्तार

चांदी की अंगूठियों समेत नगदी हुई बरामद

चांदी की अंगूठियों समेत नगदी हुई बरामद

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत हो रही निरंतर चोरियों में थाना प्रभारी द्वारा दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर एक चोरी का खुलासा किया गया मिली जानकारी के अनुसार विगत लगभग एक माह पहले 16 जून की रात कस्बे के बंबा ऊपर मोहल्ला निवासी हारुन पुत्र कय्यूम के घर में चोरी करते हुए चोरों ने दो चांदी की अंगूठियां सहित 33 सौ रुपए चोरी किया जहां अथक प्रयास के बाद थाना प्रभारी योगेश कुमार ने संका जाहिर करते हुए दो आरोपी साजिद तथा शहजाद निवासी रज्यौडा मोहल्ला जहानाबाद को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ की जहां पूछताछ के दौरान दोनों अभियुक्तों ने जुर्म कबूल करते हुए चोरी करने की बात स्वीकार की अभियुक्तों ने बताया कि वह पहले सुनसान तथा खाली मकान को देख लेते थे इसके बाद समय मिलते ही वारदात करते थे चोरी करने के पश्चात दोनों आपस में चोरी का सामान तथा पैसे बराबर बराबर बांट लेते थे दोनों आरोपी नशे के आदी हैं जो अपना नशा पूरा करने के लिए निरंतर घटनाओं को अंजाम दे रहे थे प्रशासन ने अभियुक्तों के पास से दो चांदी की अंगूठी तथा 1350 रुपए बरामद किए वही जानकारी लेने पर थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आरोपी साजिद के विरुद्ध और भी मुकदमे पंजीकृत है दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की गई

मंदिर के बाहर गंदगी पर बवाल

2 हिंदू संगठनों का प्रदर्शन, बोले- मीट फेंका; कार्रवाई नहीं हुई, तो कैंट बोर्ड में डालेंगे कूड़ा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सदर क्षेत्र स्थित भूसा मंडी के मां दुर्गा मंदिर के सामने गंदगी और मांसाहारी अवशेष फेंकने का आरोप लगाकर हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। मंदिर के पुजारी और स्थानीय लोगों ने थाना सदर में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद मंदिर के सामने से कूड़ा नहीं हटाया गया। उनका कहना है कि इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और मंदिर आने-जाने में भी परेशानी हो रही है। अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो मंदिर के सामने का कूड़ा उठाकर कैंटोनमेंट बोर्ड कार्यालय में डालेंगे। वहीं पुलिस का कहना है कि शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।हिंदू संगठन बोला- मंदिर के सामने फेंका जाता है कूड़ा और मांसाहारी अवशेष अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही ने आरोप लगाया कि मंदिर के आसपास रहने वाले 15-20 हिंदू परिवार लंबे समय से परेशान हैं। उनके मुताबिक, मंदिर के सामने नियमित रूप से कूड़ा डाला जाता है और कई बार मांसाहारी अवशेष भी फेंके जाते हैं। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो मंदिर के सामने का पूरा कूड़ा उठाकर कैंटोनमेंट बोर्ड कार्यालय में डालेंगे। साथ ही सभी धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर संबंधी नियम समान रूप से लागू करने की मांग भी की। कैंट बोर्ड की सफाई व्यवस्था पर उठाए सवाल प्रदर्शनकारियों ने कैंट बोर्ड की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद मंदिर के सामने बने कूड़ा स्थल को नहीं हटाया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिरों से लाउडस्पीकर हटाए गए, लेकिन अन्य धार्मिक स्थलों पर नियमों का समान रूप से पालन नहीं कराया जा रहा।

युवक ने लगाई फांसी:पत्नी से अक्सर झगड़ा होता था

दो दिन पहले कहा था डूबकर मर जाना

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , थाना वेव सिटी क्षेत्र में एक ऑटो ड्राइवर (40) ने पत्नी से विवाद के बाद फांसी लगा ली। सुबह करीब 6 बजे उसका शव पेड़ पर लटका मिला। युवक की पहचान अली मोहम्मद, पुत्र मोहम्मद बख्श के रूप में हुई है। वह मूल रूप से कन्नौज का रहने वाला है। वर्तमान में ग्राम बम्हेटा स्थित महेंद्र के मकान में किराए पर रह रहा था। डासना के पास ऑटो चलाता था। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की छानबीन में जुट गई। पुलिस के मुताबिक अली मोहम्मद का पिछले दो दिनों से अपनी पत्नी सलमा के साथ घरेलू विवाद चल रहा था। परिजनों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच लगातार अनबन बनी हुई थी। इसी बीच तड़के थाना वेव सिटी क्षेत्र में डासना स्थित आईएमएस के पास कब्रिस्तान में एक पेड़ से उसका शव लटका हुआ मिला। घटनास्थल के पास ही उसका ऑटो भी खड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि युवक का पत्नी से झगड़ा हुआ। एक दिन पहले भी दोनों में कहासुनी हुई। जिसमें पत्नी ने कहा था कि डूबकर मर जाना। सूचना मिलते ही थाना वेव सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतरवाकर कब्जे में लिया। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत के कारणों की हो रही जांचपुलिस के अनुसार, शुरूआती जांच में पारिवारिक कलह आत्महत्या का संभावित कारण सामने आया है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। हत्या कर शव तो नहीं लटकाया गया इसका भी पता लगाया जा रहा है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल का कहना है कि अभी तक की जांच में सुसाइड का मामला आया है। पत्नी से विवाद के बाद उसने ये कदम उठाया है।

जहरीला इंजेक्शन लगाकर नर्स को बॉयफ्रेंड ने मार डाला

मेरठ में पकड़ा न जाए, इसलिए सुसाइड नोट लिखा, जेब में जहर की गोलियां डालीं

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,पति को सांप से डसवाकर हत्या के बाद अब स्टाफ नर्स की जहरीली ड्रिप लगाकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेमिका के शादी का दबाव बनाने पर छुटकारा पाने के लिए वार्डबॉय प्रेमी ने दोस्त के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। दोपहर करीब 2 बजे ग्लूकोज का ड्रिप चढ़ाने के बहाने जहरीली केमिकल लगा दी। हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए आरोपी वार्डबॉय ने खुद ही सुसाइड नोट लिखा और प्रेमिका की जेब में सल्फास की गोलियां रख दी। मामला हापुड रोड स्थित एमसीसी अस्पताल का है। पुलिस ने उळळश फुटेज, मोबाइल रिकॉर्ड और सुसाइड नोट की लिखावट का मिलान करने के बाद देर रात आरोपी वार्डबॉय और उसके दोस्त को अरेस्ट कर लिया। मौके से मिले कैनुला, सिरिंज, मोबाइल फोन, फर्जी सुसाइड नोट, नोटपैड और जहरीला केमिकल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, नर्स के पति की एक साल पहले मौत हो गई थी। वार्डबॉय से करीब 8 महीने से अफेयर था। प्रेमिका लगातार शादी का दबाव बना रही थी। ब्रह्मपुरी निवासी 26 वर्षीय नेहा हापुड़ रोड स्थित एमसीसी अस्पताल में स्टाफ नर्स थीं। करीब 2.5 साल पहले नेहा की शादी हुई थी लेकिन पति रवि की एक साल पहले मौत हो गई थी। नेहा का एक साल का बेटा भी है। सुबह करीब 10 बजे वह बेटे को घर पर छोड़कर रोज की तरह ड्यूटी पर अस्पताल पहुंचीं। दोपहर करीब 3 बजे अस्पताल के एक कमरे में उनका शव मिला। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना परिजनों को दी।परिवार के लोगों के पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि नेहा की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई है। हालांकि, परिजनों ने आत्महत्या की बात से इनकार करते हुए अस्पताल प्रबंधन पर हत्या का आरोप लगाया। इसके बाद अस्पताल में जमकर हंगामा हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।देवर बोला- जहरीला पदार्थ देकर मारा गयानेहा की ननद, देवर और अन्य परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन मौत की सही जानकारी छिपा रहा है। नेहा के देवर ने आरोप लगाया कि उन्हें जहरीला पदार्थ देकर मार दिया गया। परिजन की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी। फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कीसीओ कोतवाली संग्राम सिंह पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर डॉक्टरों और कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। मामले के खुलासे के लिए पुलिस ने दो टीमें बनाई। जांच में नेहा के मोबाइल फोन से सुरेश के साथ लगातार बातचीत के साक्ष्य मिले। उळळश फुटेज में भी सुरेश वार्ड से बाहर निकलता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ा, डूब क्षेत्र में पानी आया

गौतमबुद्ध नगर प्रशासन अलर्ट, बाढ़ चौकियां सक्रिय की गईं

अमन लेखनी समाचार

गौतमबुद्ध नगर ,हिंडन नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है। डूब क्षेत्र में कई जगहों पर पानी भरने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। दोपहर को एडीएम अजीत कुमार सिंह ने यूसुफपुर और डूब क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जलस्तर बढ़ने की जानकारी लाउडस्पीकर के माध्यम से भी लोगों तक पहुंचाई जा रही है। एडीएम अजीत कुमार सिंह ने बताया कि हिंडन का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन की टीम तुरंत अलर्ट हो गई है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पहले से सक्रिय 18 बाढ़ चौकियों को पूरी तरह से एक्टिव कर दिया गया है। बिजली विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को भी अलर्ट जारी किया गया है और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

पंचायत भवन में चल रही प्राथमिक विद्यालय की कक्षाएं

जर्जर विद्यालय के कारण बच्चे सार्वजनिक भवन में कर रहे शिक्षा ग्रहण

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, जनपद के विजयीपुर विकासखंड शिक्षा क्षेत्र में कई ग्राम पंचायतों में प्राथमिक विद्यालय के भवन जर्जर होने के कारण बच्चों की शिक्षा में गहरा प्रभाव पड़ रहा है विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय चंदापुर गढा का भवन लगभग 1 वर्ष से निष्प्रयोज्य घोषित हो चुका परंतु भवन का निर्माण नहीं हुआ कक्षाओं का संचालन मजबूरी में गांव के पंचायत भवन में करना पड़ रहा है इसी प्रकार क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन गांव जैसे शिवप्रसाद का डेरा टेसाही कूरा मीरपुर महेशपुर मठेठा चंदापुर गढा आदि में संचालित प्राथमिक तथा परिषदीय विद्यालयों की हालत बहुत दयनीय है कुछ विद्यालयों की छत खराब है तो कुछ भी दीवारें तथा फर्स क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे हैं जर्जर अवस्था में बिल्डिंग को देख शिक्षकों तथा बच्चों में भय व्याप्त रहता है लगभग एक वर्ष से पंचायत भवन में चल रहे चंदापुर गढा विद्यालय के लिए पंचायत सचिव ने प्रधानाध्यापक से भवन खाली करने का निवेदन किया जहां जानकारी लेने पर सचिव ने बताया कि सचिवालय के जीर्णोद्धार और लाइब्रेरी संचालन में दिक्कत आ रही है इसलिए पंचायत भवन को खाली करने के लिए प्रधानाध्यापक से निवेदन किया गया इस बारे में खंड शिक्षा अधिकारी रजनीश श्रीवास्तव से जानकारी ली गई जहां उन्होंने बताया कि सभी जर्जर भवनों की रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है जब तक भवन निर्माण नहीं होता तब तक विकल्प रूप में ग्रामीण स्तर की बिल्डिंगों पर व्यवस्थाएं संचालित करनी पड़ रही है

ग्रेटर नोएडा में दो चोर गिरोहों का भंडाफोड़

2 नाबालिक समेत 5 गिरफ्तार, 20 लाख के जेवर और हथियार बरामद

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा , बीटा-2 थाना पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले दो गिरोहों का पदार्फाश करते हुए दो बाल अपचारियों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो अवैध चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बंद पड़े मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पूछताछ में उन्होंने ग्रेटर नोएडा और दादरी क्षेत्र में कई चोरियों की बात कबूल की है। अन्य मामलों में भी उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। तीन आरोपी और दो बाल अपचारी गिरफ्तार डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टेकराम, पवन कुमार और अनिल भाटी के रूप में हुई है। इनके साथ दो बाल अपचारियों को भी हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पहले बंद मकानों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए अपने साथ अवैध हथियार भी रखते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने थाना दादरी और बीटा-2 क्षेत्र के कई बंद मकानों को निशाना बनाया था।

संघर्ष सेवा समिति के स्नेहिल सहयोग से अमरीन मंसूरी का निकाह संपन्न

अमन लेखनी समाचार

झांसी। सामाजिक सरोकारों को समर्पित संघर्ष सेवा समिति ने एक बार फिर मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अमरीन मंसूरी के विवाह अवसर पर सहयोग एवं सम्मानपूर्ण विदाई का आयोजन किया। अठोंदना की पुलिया, नगरा निवासी स्वर्गीय अब्दुल सलाम एवं रूकसाना मंसूरी की पुत्री अमरीन मंसूरी का विवाह 20 जुलाई 2026 को पारिवारिक एवं सामाजिक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने नवविवाहित जोड़े के सुखद एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना करते हुए आवश्यक गृहस्थी का सामान, उपहार एवं बेटी धन भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई प्रदान की, विवाह पूर्व कलर्स ब्यूटी पार्लर के सहयोग से अमरीन को विवाह हेतु सुसज्जित कराया गया। डॉ. संदीप सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि ₹बेटियाँ किसी एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की अमूल्य धरोहर होती हैं। उनके सम्मान, शिक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को आगे आना चाहिए। संघर्ष सेवा समिति भविष्य में भी जरूरतमंद परिवारों के सहयोग के लिए इसी प्रकार निरंतर कार्य करती रहेगी।₹ उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले कलर्स ब्यूटी पार्लर (कलर्स सैलून) की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक कार्यों में स्थानीय संस्थानों की सहभागिता समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कलर्स ब्यूटी पार्लर की टीम के सहयोग एवं सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए इसे प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम में अमरीन के भाई आशिफ मंसूरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनमें जसवंत सिंह, सुरजीत यादव, मुन्ना मास्टर, सुशांत गुप्ता, बसंत गुप्ता, अहिल खान, धर्मेंद्र खटीक, राकेश अहिरवार, मोहित लाक्षाकार, अशोक मिसाद, सिद्धांत गुप्ता, सचिन शर्मा, राजू सेन, संदीप नामदेव, अनुज प्रताप सिंह सहित अन्य लोगों ने नवदंपती को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखमय भविष्य की कामना की।

सैनिक पब्लिक स्कूल में राइफल शूटिंग प्रशिक्षण शुरू, छात्र-छात्राओं में दिखा उत्साह

अमन लेखनी समाचार

पडरौना (कुशीनगर)। क्षेत्र के कुरमौल स्थित सैनिक पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और अनुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राइफल शूटिंग प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में छात्राओं के साथ-साथ छात्र भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और निशानेबाजी की बारीकियां सीख रहे हैं। विद्यालय प्रबंधक का कहना है कि शूटिंग केवल एक खेल नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, एकाग्रता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षकों की देखरेख में बच्चों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निशाना साधने का अभ्यास कराया जा रहा है। विद्यालय परिसर में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि आज बेटियां भी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्हें समान अवसर देकर भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा सकता है। प्रबंधन के अनुसार विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि बच्चे आत्मनिर्भर, अनुशासित और देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

कई साल से सामुदायिक शौचालय बदहाल ! वीडियो वायरल होने पर हुई खानापूर्ति

अमन लेखनी समाचार

कोन/सोनभद्र। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त बनाने के उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए सामुदायिक शौचालय आज कई ग्राम पंचायतों में बदहाली की मिसाल बन चुके हैं। विकासखंड कोन की ग्राम पंचायत पीपरखाड़ के टोला केवाल में बना सामुदायिक शौचालय इसकी सबसे बड़ी तस्वीर पेश कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब पांच वर्षों से शौचालय की नियमित सफाई नहीं हुई, जिसके चलते वह पूरी तरह अनुपयोगी हो गया है। हाल ही में इसकी बदहाली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो अधिकारियों ने केवल बाहर की साफ-सफाई कराकर खानापूर्ति कर दी, लेकिन अंदर की स्थिति आज भी बेहद दयनीय बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार शौचालय के अंदर चारों ओर गंदगी फैली हुई है। दरवाजे टूट चुके हैं, पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, नल खराब पड़े हैं और शौचालय से दुर्गंध उठ रही है। ऐसी स्थिति में लोग इसका उपयोग करने से कतरा रहे हैं और खुले में शौच जाने को मजबूर हैं। इससे सरकार के स्वच्छता अभियान और करोड़ों रुपये की योजनाओं की जमीनी हकीकत सामने आ रही है। सोमवार दोपहर बड़ी संख्या में ग्रामीण शौचालय के बाहर एकत्र हुए और प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सामुदायिक शौचालय के संचालन और रखरखाव के लिए सहायिका की नियुक्ति की गई है, जिसे प्रतिमाह लगभग 6 हजार मानदेय और 3 हजार रखरखाव मद के रूप में दिए जाने की बात कही जाती है। यदि नियमित भुगतान हो रहा है तो फिर शौचालय की यह बदहाल स्थिति आखिर किसकी लापरवाही का परिणाम है ग्रामीणों ने पूरे मामले की वित्तीय जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण ब्रह्म प्रकाश त्रिपाठी उर्फ सूर्या त्रिपाठी, जितेश तिवारी, चंद्रप्रकाश तिवारी, जदुनी बैगा, राममिलन चेरो, बच्चा चंद्रवंशी का कहना है कि यह समस्या केवल पीपरखाड़ तक सीमित नहीं है। विकासखंड कोन की कई ग्राम पंचायतों में बने सामुदायिक शौचालय या तो वर्षों से बंद पड़े हैं, या उन पर ताले लटके हैं, या फिर उनकी हालत इतनी खराब है कि उनका उपयोग करना संभव नहीं है। रामगढ़, बरवाखाड़, खेतकटवा सहित कई गांवों में बने शौचालयों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है।

खास समाचार

भूमि एवं जल संरक्षण योजनाओं से किसानों को मिलेगा लाभ, 1000 हेक्टेयर क्षेत्र का होगा उपचार

जिलाधिकारी बोले कृपा रदर्शिता के साथ होगा योजनाओं का क्रियान्वयन, 50 खेत तालाबों का निर्माण भी होगा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में भूमि एवं जल संरक्षण कार्यों को गति देने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति, जिला मिशन समिति एवं डब्ल्यूसीडीसी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में भूमि संरक्षण अधिकारी, रॉबर्ट्सगंज ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत जनपद में 1000 हेक्टेयर बीहड़, बंजर एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का उपचार कराया जाएगा।

थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा 02 पुराने वाहनों की नियमानुसार नीलामी कराकर किया गया अवमुक्त

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में लम्बित मालों के शीघ्र एवं नियमानुसार निस्तारण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना शक्तिनगर सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए थाना परिसर में काफी समय से खड़े 02 पुराने वाहनों का नियमानुसार नीलामी की कार्यवाही कराकर अवमुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त दोनों वाहन उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी, सोनभद्र द्वारा पूर्व में सीज कर थाना शक्तिनगर परिसर में खड़े कराये गये थे। वाहनों के निस्तारण हेतु नियमानुसार पत्राचार करते हुए उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी सोनभद्र के सहयोग से नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न करायी गयी, जिसमें नीलामी स्वामी श्री शनी गुप्ता पुत्र श्री शिवशंकर गुप्ता निवासी वार्ड नं0-14 नई बस्ती धर्मशाला बाईपास, रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र के पक्ष में वाहन अवमुक्त किये गये।

भिटौली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, लकड़ी चोरी में वांछित 2 आरोपी हुए गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

भिटौली /महराजगंज पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना भिटौली पुलिस ने लकड़ी चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 11 बोटा सागौन की लकड़ी बरामद की है। पुलिस के अनुसार थाना भिटौली में लकड़ी चोरी के दो अलग-अलग मुकदमों में ये दोनों आरोपी लंबे समय से वांछित चल रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी की गई 11 बोटा सागौन की लकड़ी बरामद हुई। बरामद लकड़ी को पुलिस ने कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें आगे की विधिक प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि बरामद लकड़ी के स्रोत और इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध पेड़ कटान और लकड़ी तस्करी करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नीट में उत्कृष्ट सफलता पर पनव अग्रवाल व रियान गुप्ता को मिला नीट गौरव-2026 अवार्ड

महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना (मैसी) ने प्रतिभाओं का किया अभिनंदन, शिक्षा को बताया समाज की सबसे बड़ी पूंजी।

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना (मैसी) द्वारा नीट परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले पनव अग्रवाल एवं रियान गुप्ता को शैक्षणिक स्वर्णिम सफलता सम्मान के अंतर्गत नीट गौरवझ्र 2026 अवार्ड से सम्मानित किया गया। विद्या भारती सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह में दोनों मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं मैडल भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर उनके अभिभावक डा. अजय अग्रवाल, डा. दीपाली गोयल तथा डा. ऋषि पाल गुप्ता भी विशेष रूप से मौजूद रहे।समारोह के मुख्य अतिथि अजय गोयल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना पिछले कई वर्षों से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार कर रही है। संस्था का यह प्रयास अन्य सामाजिक संगठनों के लिए भी प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करना केवल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर डा. अजय अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे कोई भी व्यक्ति कभी छीन नहीं सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया तथा कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। संस्था के प्रधान मुनीष मित्तल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना का उद्देश्य केवल छात्रवृत्ति प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज की प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें उचित सम्मान देना भी है। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करता है तो नई पीढ़ी में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा स्वतः जागृत होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मानित विद्यार्थी भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

जल, जंगल और जमीन के हक की हुंकार: आदिवासी महापंचायत में संघर्ष मोर्चा गठित

, वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग

अमन लेखनी समाचार

कोन (सोनभद्र)। बरहमोरी प्राथमिक विद्यालय परिसर में रविवार को आयोजित आदिवासी महापंचायत में जल, जंगल और जमीन से जुड़े मुद्दे पूरे दिन चर्चा के केंद्र में रहे। रामसूरत खरवार की अध्यक्षता में आयोजित महापंचायत में 500 से अधिक ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने वन अधिकार कानून-2006 के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग करते हुए पात्र वनवासियों और आदिवासियों को उनके वैधानिक अधिकार शीघ्र दिलाने की आवाज बुलंद की। महापंचायत के मुख्य अतिथि अपना दल (एस) युवा मंच उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द पटेल दयालु ने कहा कि वन अधिकार कानून का उद्देश्य वर्षों से जंगलों में निवास कर रहे पात्र वनवासियों और आदिवासी समुदाय को कानूनी अधिकार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों के दावों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा ग्राम सभाओं को अधिक अधिकार देकर भूमि, लघु वन उपज और सामुदायिक वन संसाधनों पर उनके वैधानिक अधिकार सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार जनहित में कार्य कर रही है, लेकिन यदि अधिकारियों की लापरवाही के कारण पात्र लोगों को उनका अधिकार नहीं मिलता है तो इससे सरकार की छवि प्रभावित होती है। ऐसे मामलों में प्रशासन को कानून के अनुरूप तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य सुनील सिंह ने भरोसा दिलाया कि महापंचायत में उठाए गए सभी मुद्दों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। यदि आवश्यक कार्रवाई नहीं हुई तो मामला उच्च स्तर तक ले जाया जाएगा। वहीं अपना दल (एस) के वरिष्ठ नेता श्याम चरण गिरी ने कहा कि जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की लड़ाई आगे भी पूरी मजबूती से जारी रहेगी और प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। महापंचायत में सर्वसम्मति से ₹जल जंगल जमीन बचाओ संघर्ष मोर्चा₹ का गठन किया गया। इसमें श्याम चरण गिरी को संयोजक, रामसूरत खरवार को अध्यक्ष तथा आनन्द पटेल दयालु और सुनील सिंह को संरक्षक बनाया गया। कार्यक्रम को अपना दल (एस) अल्पसंख्यक मंच के प्रदेश सचिव महताब आलम ने भी संबोधित किया और आम लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। अंत में ग्रामीणों ने वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और आदिवासी हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

जनशिकायतों की सुनवाई में अब नहीं चलेगी लापरवाही, प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे तक ऑनलाइन समीक्षा करेंगे जिलाधिकारी

अनुपस्थित या शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों का वेतन होगा अवरुद्ध।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में जनसुनवाई व्यवस्था को पूरी तरह जवाबदेह एवं परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्देश जारी किया हैं। उन्होंने कहा है कि आमजन की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता, विलंब अथवा लापरवाही अब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जिला स्तरीय, तहसील स्तरीय, विकास खण्ड, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं अन्य संबंधित कार्यालयों में प्राप्त जनशिकायतों का उसी समय प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस पूरी व्यवस्था की स्वयं जिलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से प्रतिदिन ऑनलाइन निगरानी एवं समीक्षा करेंगे। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों, उप जिलाधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय तथा विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि निर्धारित समय पर अपने-अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर शिकायतकताओं की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा है कि ऑनलाइन समीक्षा के दौरान यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित पाया जाता है अथवा शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, उदासीनता या अनावश्यक विलंब करता है तो वेतन अवरुद्ध करने के साथ ही प्रशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

किसानों की समस्याओं को लेकर विंध्य ब्रिगेड का अनिश्चितकालीन अनशन जारी

पांच सूत्रीय मांगों पर अड़े आंदोलनकारी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिले में किसानों की समस्याओं और विभिन्न स्थानीय जनहित के मुद्दों को लेकर विंध्य ब्रिगेड का अनिश्चितकालीन अनशन लगातार जारी है। संगठन ने खाद की किल्लत, सिंचाई व्यवस्था में सुधार, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता, जंगलों की सुरक्षा तथा जिले में लागू निषेधाज्ञा हटाने सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। आंदोलनकारियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस एवं सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका अनशन समाप्त नहीं किया जाएगा। विंध्य ब्रिगेड के बैनर तले सोनभद्र मुख्यालय पर चल रहे इस अनिश्चितकालीन अनशन में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हो रहे हैं। अनशन स्थल पर आंदोलनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों और स्थानीय युवाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया। संगठन के नेताओं का कहना है कि शासन-प्रशासन को कई बार ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते उन्हें अनशन का रास्ता अपनाना पड़ा।

खाद की कमी से किसान परेशान, तत्काल उपलब्धता की मांग

विंध्य ब्रिगेड ने कहा कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय चल रहा है, लेकिन जिले के अधिकांश क्षेत्रों में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। खाद की कमी के कारण किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं और खेती का कार्य प्रभावित हो रहा है। संगठन ने जिला प्रशासन से मांग की कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए ताकि खेती प्रभावित न हो और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

घाघर कैनाल की बदहाल व्यवस्था पर उठाए सवाल

संगठन ने सिंचाई व्यवस्था की बदहाली को भी गंभीर समस्या बताया। विंध्य ब्रिगेड के अनुसार घाघर कैनाल की मुख्य नहर, शाखा नहरें, छलके और गुल्ले कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हैं, जिससे नहर का पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसका सीधा असर किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर पड़ रहा है और कई क्षेत्रों में पानी को लेकर विवाद की स्थिति भी बन रही है। संगठन ने मांग की कि जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) में उपलब्ध धनराशि से नहरों की तत्काल मरम्मत कराकर सिंचाई व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए।

स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग

अनशन के दौरान विंध्य ब्रिगेड ने स्थानीय बेरोजगार युवाओं के रोजगार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। संगठन का कहना है कि जिले में संचालित निजी उद्योगों, खनन परियोजनाओं और कंपनियों में स्थानीय युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यक्रमों व कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक की, जिलाधिकारी ने मानक के मुताबिक वसूली के लक्ष्य को पूरा करने, तहसील स्तरों पर बकायेदारों पर वसूली की कार्यवाही करने, आर0सी0 का नियमित मिलान करने के साथ ही सरकारी जमीनों को सुरक्षित करते हुए जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिये गये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित महीने के अनुरूप लक्ष्य वसूली के कार्य में तेजी लाया जाये, जिससे राजस्व वसूली के प्रगति में तेजी लाया जा सकें, इस कार्य में शिथिलता न बरती जायें, लक्ष्य पूरा न करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाये। उन्होंने कहा कि तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से करने के लिए कड़ाई के साथ उप जिलाधिकारी व तहसीलदार राजस्व कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाय, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाये, किसी भी हाल में जनता के साथ अन्याय न होने पायें, इसका भी ध्यान दिया जाये। पी0एम0 स्वनिधि योजना में लक्ष्य के अनुरूप आवेदन नहीं किये जाने व ऋण वितरण न किये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों नगर पालिका परिषद/नगर पंचायतों का वेतन भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिये है। बैठक के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बाजार में बिकने वाले खाद्य सामग्री की जॉच कराते रहें, ताकि किसी प्रकार प्रकार की मिलावटी की स्थिति न आने पायें, इसके लिए छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लाया जायें और जो भी शासन द्वारा मानक व फामूर्ला निर्धारित किया गया है, उसका अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला उप जिलाधिकारी दुद्धी रवि पासवान, उप जिलाधिकारी मुख्यालय आकांक्षा गौतम, उप जिलाधिकारी सदर आशीष त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता, सदर तहसीलदार अमित कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 जुलाई तक बढ़ी, इच्छुक अभ्यर्थी शीघ्र करें आवेदन

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के अनुसार हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा जारी सर्कुलर-3 के तहत हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई, 2026 से बढ़ाकर 24 जुलाई, 2026 कर दी गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने जनपद के इच्छुक हज आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन अवश्य पूर्ण कर लें। जिन आवेदकों ने केवल पंजीकरण कराया है, लेकिन किसी कारणवश आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं की है, वे भी अंतिम तिथि से पहले आवेदन पूर्ण कर लें, अन्यथा हज-2027 के लिए उनका आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन आवेदकों को अभी तक भारतीय अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट प्राप्त नहीं हुआ है, वे तत्काल संबंधित पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क कर पासपोर्ट प्राप्त कर लें, ताकि अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा सके। हज यात्रियों के चयन के लिए ऑनलाइन कुर्रा (डिजिटल रैंडम सेलेक्शन) का आयोजन 30 जुलाई, 2026 को हज हाउस, मुंबई में किया जाएगा। चयनित हज यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी तथा आवेदकों को एसएमएस के माध्यम से भी सूचना दी जाएगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने बताया कि चयनित हज यात्रियों को 10 अगस्त, 2026 तक रूपया 1,52,300 की अग्रिम धनराशि हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा करनी होगी। उन्होंने सभी इच्छुक आवेदकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

पांच महीने बाद चुपके से अरिजीत ने किया कमबैक

मुंबई। बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा आवाजे ऐसी हैं जिन्हें सुनने के लिए फैन्स हमेशा बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन, जैसे ही उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कहा, फ़ैन्स की उम्मीदें डूबने लगीं। अब एक प्लेबैक सिंगर ने चुपके से अपना रिटायरमेंट प्लान कैंसिल कर दिया है और करीब 5 महीने बाद बॉलीवुड में वापसी की है। सिंगर अरिजीत का यह कमबैक फैंन्स को सरप्राइज करने के साथ-साथ खुश भी करने वाला है। अरिजीत सिंह ने 27 जनवरी को अपने रिटायरमेंट की घोषणा की थी। खबरों के मुताबिक, यह मशहूर सिंगर इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' के लिए प्लेबैक सिंगिंग में लौट आए हैं।

लाइफ Style

ऐश्वर्या

पहली बार पूर्वोत्तर की सुंदरी को खिताब

जयपुर में आयोजित मिस टीन दिवा 2026 के फिनाले में मेघालय की ऐश्वर्या मलंग को 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' का ताज पहनाया गया है। यह पहली बार है कि पूर्वोत्तर की सुंदरी को खिताब दिया गया है। 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' का ताज मेघालय की ऐश्वर्या मलंग के सिर सजा है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

ऐश्वर्या मलंग यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली नॉर्थ ईस्ट से पहली प्रतिभागी हैं। बता दें कि मिस टीन दिवा 2026 का ग्रैंड फिनाले जयपुर में आयोजित हुआ था। इस जीत के साथ ऐश्वर्या 'मिस टीन अर्थ' के इंटरनेशनल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। ऐश्वर्या के अलावा स्निग्धा भुयान मिस टीन ग्रैंड इंडिया 2026 और प्रासुसी मिस टीन यूनिवर्स इंडिया 2026 बनी हैं। मिस टीन अर्थ इंडिया 2026 विनर ऐश्वर्या मलंग का कहना है, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि मैं हमेशा से मेघालय को रिप्रेजेंट करना चाहती थी'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं लोगों से बस यही कहूंगी, अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आगे बढें। कोई आपको नहीं रोक सकता। जो अच्छा लगे, वह करो'। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 'मिस टीन अर्थ इंडिया 2026' की विजेता ऐश्वर्या मलंग ने कहा है, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि मैं हमेशा से नेशनल लेवल पर मेघालय को रिप्रेजेंट करना चाहती थी और अब जब मैं जीत गई हूं, तो मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा, क्योंकि मुझे दो बार नीट की परीक्षा देनी थी।

हॉलीवुड मसाला

टॉम की डिगर का नया वीडियो जारी

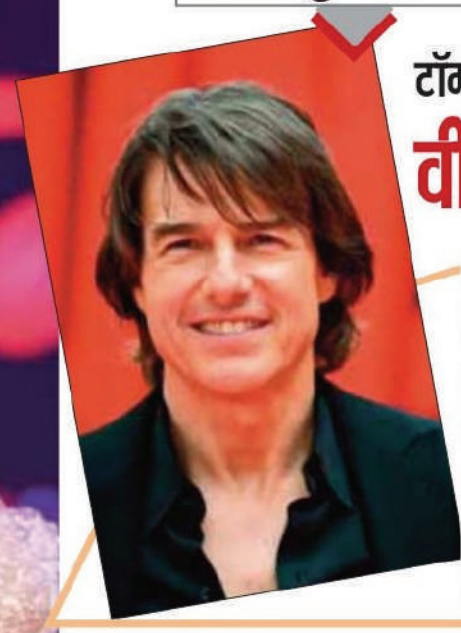

लॉस एंजिल्स। टॉम क्रूज की अपकमिंग फिल्म 'डिगर' के मेकर्स ने एक नया प्रमोशनल वीडियो जारी किया है। इसमें एक्टर अपने किरदार डिगर रॉकवेल के रूप में नजर आ रहे हैं। यह वीडियो न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्लोजिंग सेरेमनी में क्रूज के शामिल होने से पहले आया है। शेयर किए गए इस वीडियो में क्रूज डिगर रॉकवेल के रूप में दिखते हैं और फुटबॉल के कुछ सबसे बड़े नामों जैसे पेले, डिएगो माराडोना, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का जिक्र करते हुए एक पैगाम देते हैं।

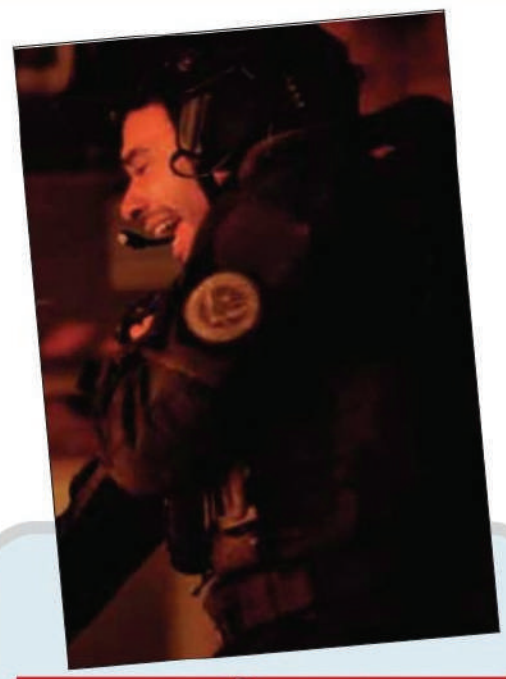

स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे 30 को होगी रिलीज

नई दिल्ली। दुनिया भर के स्पाइडर-मैन फैंस के लिए खुशखबरी है। टॉम हॉलैंड की अगली फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' 30 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। डायरेक्टर डेस्टिन डेनियल क्रेटन की ये फिल्म पीटर पार्कर की जिंदगी में एक ब्रांड न्यू चैप्टर ला रही है। दुनिया पीटर को भूल चुकी है, लेकिन वह अकेले न्यूयॉर्क की सड़कों पर स्पाइडर-मैन बनकर अपराध से लड़ रहा है। नया दुश्मन भी सामने आ चुका है। स्पाइडर-मैन मारवल का वो सुपरहीरो है जिसकी दीवानगी दुनिया भर में है। फिल्म में टॉम हॉलैंड पीटर पार्कर/स्पाइडर-मैन की भूमिका में वापसी कर रहे हैं। जेंडाया एमजे के रूप में नजर आएंगी। जैकब बटालोन नेड लीड्स बनेंगे. सैडी सिंक (स्ट्रेंजर थिंग्स) की भूमिका को लेकर काफी चर्चा है।

मां अनुराधा की विरासत संभाल रहीं कविता

नई दिल्ली। बॉलीवुड की सुरम्य आवाजों और मशहूर भजन गायिका अनुराधा पौडवाल की विरासत को आगे बढ़ा रहीं उनकी बेटी कविता पौडवाल इन दिनों अपनी एक नई पहल से काफी चर्चा में हैं। अपनी मां के दिखाए रास्ते पर चलते हुए कविता भक्ति संगीत की दुनिया में एक बड़ा नाम बन चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कविता ने अपने निजी जीवन के दुखद दौर, मां से मिली सीख, और युवाओं के लिए उनके खास प्रोजेक्ट्स पर खुलकर बात की। कविता पौडवाल इन दिनों भारत समेत कई देशों में कीर्तन क्लबिंग के जरिए युवाओं को भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जोड़ रही हैं। इस कॉन्सर्ट फॉर्मेट को दुनिया भर में शानदार रिस्पांस मिल रहा है। कविता ने बताया कि आज की युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ना चाहती है।

प्रकाश की जनादेश को लेकर उत्साहित

मुंबई। तुषार कपूर अपनी आने वाली नई फिल्म 'जनादेश' को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि तुषार पहली बार मशहूर निर्देशक प्रकाश झा के साथ काम कर रहे हैं। तुषार के करियर की यह पहली पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे होने पर तुषार कपूर ने अपनी नई फिल्म 'जनादेश' के बारे में खुलकर बात की। तुषार ने कहा, 'फिल्म 'जनादेश' देश के राजनीतिक माहौल पर बनी एक गंभीर और गहरा असर छोड़ने वाली कहानी है।' तुषार ने आगे कहा, 'हालांकि, यह फिल्म आज के समाज का आईना है। प्रकाश झा जैसे बेहतरीन डायरेक्टर के साथ काम करना और ऐसा दिलचस्प किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल नया और अनोखा अनुभव है।' फिल्म 'जनादेश' के निर्देशक प्रकाश झा हैं।

टीवी मसाला

सलमान से लेकर गांगुली तक ये सितारे होंगे बिग बॉस के होस्ट

नई दिल्ली। कई वर्षों से शो 'बिग बॉस' हिंदी दर्शकों का पसंदीदा रहा है। इसे अक्सर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने होस्ट करते रहे हैं। अब इसके नए सीजन की घोषणा हुई है। सलमान खान 'बिग बॉस 20' के होस्ट के तौर पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। यह रियलिटी शो भारत भर में अपने छठे सीजन के लिए तैयार हो रहा है। सलमान के साथ होस्ट की लिस्ट में विजय सेतुपति (तमिल), नागार्जुन (तेलुगु), किच्चा सुदीपा (कन्नड़) और मोहनलाल (मलयालम) शामिल हैं। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली बांग्ला सीजन के होस्ट के तौर पर डेब्यू करेंगे। पहली बार 'बिग बॉस' के हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और बांग्ला सीजन एक साथ सितंबर में शुरू होंगे। इस खास मौके पर जियो स्टार ने 'इंडियाज बिग रियलिटी' नाम की एक कॉफी-टेबल बुक लॉन्च की है। यह किताब पिछले दो दशकों में इस रियलिटी शो के सफर और इसके कल्चरल असर को दिखाती है। 2025 में यह शो 500 मिलियन से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचा। इसने 438 बिलियन से ज्यादा व्यूइंग मिनट्स हासिल किए। अपने छह भाषाओं के सीजन में दर्शकों की भागीदारी में साल-दर-साल 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इस कामयाबी पर बयान देते हुए टीवी एंटरटेनमेंट सेल्स के हेड महेश शेट्टी ने कहा 'पिछले दो दशकों में, बिग बॉस ने लगातार खुद को नए सिरे से पेश किया है। यह फेस्टिव सीजन हमारे लिए अब तक का सबसे बड़ा मील का पत्थर है। यह शो का अब तक का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन बन गया है।' 'बिग बॉस' के छह सीजन सितंबर 2026 से जियो स्टार टेलीविजन नेटवर्क पर शुरू होंगे।

लॉकअप 2 में किसिंग पर हुई कंट्रोवर्सी!

नई दिल्ली। शो 'लॉकअप' का दूसरा सीजन चल रहा है। इसमें खूब ड्रामा और लड़ाई-झगड़े देखने को मिल रहे हैं। हालिया एपिसोड में श्रेया कालरा का गुस्सा राम कपूर पर फूटा है। अभिनेता के बार-बार किस करने पर वे बुरी तरह झल्ला गई हैं। दरअसल, 'लॉकअप 2' में राम कपूर ने श्रेया कालरा को किस किया था। इससे श्रेया काफी असहज हो गई थीं। हालांकि, उस वक्त उन्होंने कुछ कहा नहीं था। मगर, अब हाल ही में उन्होंने सवाल उठाया है। 'लॉकअप 2' में बीते हफ्ते देखने को मिला था कि राम कपूर और श्रेया कालरा ने साथ में गेम खेला। इस दौरान श्रेया बतौर कंट्रोलर खेलीं। वहीं, राम कपूर उनके डिपेंडेंट बने। इस दौरान राम को एविक्शन से बचाने के लिए टास्क में श्रेया जीतीं। टास्क जीतने के बाद राम कपूर इतने उत्साहित हो गए कि उन्होंने श्रेया को किस किया। एक्टर ने श्रेया को माथे पर और गाल पर कई बार किस की, जिससे श्रेया काफी असहज हो गई थीं।

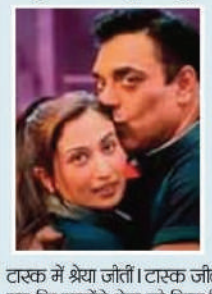

पायलें चुनमुन... गाने वाली इस सिंगर के नाम हैं छह नेशनल अवॉर्ड, बेटी की मौत ने दिया था सदमा

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के म्यूजिक को आगे ले जाने में महिला सिंगर्स की अहम भूमिका रही है। जब भी टॉप सिंगर्स का जिक्र होता है तो लता मंगेशकर, आशा भोसले, गीता दत्त, सुमन कल्याणपुरी, अल्का याग्निक, अनुराधा पौडवाल का नाम सबसे ऊपर आता है। लेकिन एक ऐसी भी सिंगर हुई हैं जिन्होंने हिंदी फिल्मों के लिए गाना गाने से पहले ही अपने नाम 3 नेशनल अवॉर्ड किए हुए थे। बाद में इन नेशनल अवॉर्ड की संख्या 3 से बढ़कर 6 हो गई। इस महिला सिंगर का नाम है केएस चित्रा।

डेब्यू से पहले नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी थीं

केएस चित्रा सालों से गायिकी कर रही हैं। हिंदी फिल्मों में अपने सिंगिंग डेब्यू से पहले साउथ फिल्मों में गाना गाने के लिए उन्होंने 3 नेशनल अवॉर्ड अपने नाम कर लिए थे। 1985 में उन्हें हिंदी फिल्मों में मौका मिला, लेकिन बड़ी पहचान नहीं। लेकिन फिर फिल्म लव में गाए उनके एक गाने ने हिंदी ऑडियंस को भी उनका फैन बना दिया।

अनिल और तब्बू ने निभाया लीड रोल : विरासत में अनिल कपूर और तब्बू ने लीड रोल निभाया था। गाना 'पायलें चुनमुन चुनमुन' तब्बू पर फिल्माया गया जो जबरदस्त हिट हुआ। फिल्म में गाना बिना किसी म्यूजिक के शुरू होता है और ऐसा लगता है जैसे सिंगर चित्रा की आवाज गानों में घुल गई है। चित्रा की ही आवाज में फिल्म क्रिमिनल का गाना 'तुम मिले दिल खिले' भी खूब हिट हुआ था।

इन गानों ने हिंदी फिल्मों में दिलाई पहचान

1991 में सलमान खान और रेवती की फिल्म लव आई थी। इस फिल्म में एक गाना था 'साथिया तूने क्या किया'। ये गाना सलमान के लिए एसपी बालासुब्रमण्यम ने गाया था और रेवती की आवाज बनीं थीं चित्रा। इसके बाद फिल्म रोजा में सिंगर ने एआर रहमान के बने संगीत में गाना गया 'ये हसीं वादियां' गाया। इसके बाद फिल्म बॉम्बे का गाना 'कहना ही क्या' और 1997 में आई फिल्म विरासत के गाने 'पायलें चुनमुन चुनमुन' के लिए चित्रा ने अपने जीवन का चौथा और पांचवा नेशनल अवॉर्ड जीता।

बेटी की हुई मौत : सिंगर चित्रा की जिंदगी में सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर कुछ ऐसा हुआ जब उनकी दुनिया ही बदल गई। चित्रा की इकलौती बेटी की एक हादसे में मौत हो गई। साल 2011 की बात है, जब चित्रा अपने परिवार के साथ दुबई के एक होटल में रुकी हुई थीं। उस समय सिंगर एआर रहमान के कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने के लिए दुबई पहुंची थीं। इस दौरान होटल के स्विमिंग पुल में डूबने की वजह से उनकी 8 साल की बेटी नंदना का निधन हो गया था। इस सदमे ने सिंगर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन संगीत ने उन्हें हिम्मत दी और वो वापसी कर पाई।

छत्रपति शिवाजी महाराज में दिखेगा हॉलीवुड लेवल का एक्शन

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता संदीप सिंह अपनी आने वाली बड़ी ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता ऋषभ शेट्टी छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाते नजर आएंगे. अब इस फिल्म को और खास बनाने के लिए निर्माताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक्शन टीम को शामिल किया है, जो फिल्म के युद्ध और एक्शन दृश्यों को शानदार बनाने पर काम करेगी. फिल्म के लिए मशहूर स्टंटमैन मार्क हेंसन को बुलाया गया है, जो गेम ऑफ थ्रोन्स, वाइकिंग्स, द विचर और वेक्विटी जैसे चर्चित अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

हॉलीवुड स्टंटमैन : मार्क हेंसन फिल्म में बड़े स्तर के वॉर सीन्स को तैयार करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। मार्क हेंसन के अलावा इस स्टंट टीम में व्लाद रिमबर्ग भी शामिल हैं, जिन्होंने द फेट ऑफ द फ्यूरियस, ब्लडशॉट और लूसिफर जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है। वहीं, इस टीम को और मजबूत बनाते हुए क्रेग मैकरे भी जुड़े हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव 'ट्रॉय: फॉल ऑफ अ सिटी' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स तक फैला हुआ है।

500 करोड़ का बजट

निर्माताओं की ओर से जारी बयान के अनुसार, फिल्म का मकसद मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, नेतृत्व क्षमता और सैन्य कौशल को बड़े पर्दे पर भव्य रूप में पेश करना है। फिल्म को इस तरह बनाने की तैयारी है कि यह भारत के साथ-साथ दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंच सके. 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' को करीब 500 करोड़ रुपए के बड़े बजट में बनाया जा रहा है।

मुसाफिर कैफे से आदर्श बाल विद्यालय तक...

इस वीक ओटीटी पर रहेगी बहार, रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। इन दिनों सिनेमाघरों में धमाल 4 से लेकर वेलकम टू द जंगल और हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी लगी हैं। वहीं, इस हफ्ते द इंडिया स्टोरी से लेकर दुल्हनिया ले आएंगी तक नई फिल्में भी थिएटर्स में रिलीज होंगी। इस बीच ओटीटी पर भी इस वीक कई अच्छे विकल्प मौजूद होंगे।

मुसाफिर कैफे

विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना की 'मुसाफिर कैफे' इस वीक ओटीटी पर दस्तक देगी। यह सीरीज चंदर (विक्रांत मैसी) और सुधा (वेदिका पिंटो) और प्रीति (महिमा मकवाना) के इर्द-गिर्द है। यह रोमांटिक सीरीज 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। 'मुसाफिर कैफे' दिव्य प्रकाश दुबे के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है।

आदर्श बाल विद्यालय

हिमांक गौर के निर्देशन में बनी कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' भी इस वीक की लिस्ट में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है। सीरीज में केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी, प्राची शाह और अभिमन्यु सिंह नजर आएंगे। सात एपिसोड वाली सीरीज 24 जुलाई से भारत और दुनिया भर में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम होगी।

पल्लीचट्टंबी

टोविनो थॉमस और कायादु लोहार की मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म पल्लीचट्टंबी भी ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 24 जुलाई से इसे सोनी लिव पर स्ट्रीम किया जाएगा।

ब्लीच-थाउजेंड-ईयर ब्लड वॉर

यह सीरीज 25 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस शो की पूरी कहानी सोल रीपर्स और क्विंसी साम्राज्य की आपसी दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती है।

स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स

स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स भी 24 जुलाई से ओटीटी पर आ रही है। यह द बिग बैंग थ्योरी के स्पिन-ऑफ के रूप में बनी साइंस-फिक्शन कॉमेडी सीरीज है, जिसके 10 एपिसोड्स हैं। इसमें स्टुअर्ट ब्लूम (केविन सुसमन) को एक बहु-ब्रह्मांडीय संकट से दुनिया को बचाना है। यह जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

रैनसम कैन्यन सीजन 2

यह रोमांटिक वेस्टर्न ड्रामा सीरीज है। सीरीज का यह दूसरा सीजन है, जिसमें आठ एपिसोड होंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर 23 जुलाई से स्ट्रीम होगी।

द डेट कलेक्टर : नादेच कुगिमिया और दाओ पिट्टाया साएचुअ की मुख्य भूमिका वाली थाई फिल्म 'द डेट कलेक्टर' भी इस वीक आएगी। यह ऐसे शख्स की कहानी है, जो पहले अंडरग्राउंड डेट कलेक्टर था और अब लाइलाज बीमारी से जूझ रहा है। यह एक्शन फिल्म 23 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर आएगी।

72 आवर्स

यह एक अमेरिकी कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन टिम स्टोरी ने किया है। इसमें केविन हार्ट लीड रोल में हैं। उनके अलावा मार्सेलो हर्नांडेज, मेसन गुडिंग, कैम पैटरसन, बेन मार्शल सहित कई और सितारे भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

द डिंक

यह एक स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म है, जो पिकलबॉल खेल पर बेस्ड है। इसमें एक असफल टेनिस खिलाड़ी (जेक जॉनसन) अपने पिता के कंट्री क्लब को बचाने और उनका सम्मान पाने के लिए इच्छा न होने पर भी पिकलबॉल खेलता है। यह फिल्म 24 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म एप्पल टीवी पर स्ट्रीम होगी।